केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 280 शनिवार 4 मई 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

प्रेस के स्वतंत्रता की रक्षा आवश्यक - डा. नवीन सिंह

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। विश्व संवाद परिषद,योग एवं प्राकृतिक चिकित्सा प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय महासचिव एवं स्वतंत्र लेखक प्रोफेसर डॉ नवीन सिंह ने विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रेस की स्वतंत्रता को मौलिक अधिकार बताते हुए कहा कि लोकतंत्र के मूल्यों की सुरक्षा एवं बहाली करने में मीडिया की अहम भूमिका है। दुनिया के किसी भी देश के उदय और उसकी प्रगति में मीडिया कर्मियों की सदैव महत्वपूर्ण भूमिका रही है।
डॉ नवीन ने कहा कि हमारे देश में भय या पक्षपात रहित पत्रकारिता एक चुनौतीपूर्ण कार्य है। मीडिया को समाज का आईना बताते हुए कहा कि विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस मनाने का मूल उद्देश्य दुनिया भर में स्वतंत्र एवं निष्पक्ष पत्रकारिता का समर्थन करना एवं उसकी रक्षा करना है। उन्होंने कहा कि प्रेस की स्वतंत्रता से यह बात साबित होती है कि उस देश में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है। उन्होंने निष्पक्ष पत्रकारिता करने वाले पत्रकार बंधुओं को सैल्यूट करते हुए कहा कि लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहे जाने वाले प्रेस की स्वतंत्रता एवं सुरक्षा अहम है।

सफल छात्रों को पुरस्कृत कर बढाया हौसला

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। जिला स्तरीय राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा में बस्ती जनपद के कई छात्र–छात्राओं ने परीक्षा में प्रतिभा किया था। परीक्षा परिणाम आने पर बस्ती सदर ब्लाक के पूर्व माध्यमिक विद्यालय गौरा गड्वल के तीन छात्र–छात्राओं ने विद्यालय का नाम रोशन करते हुए परीक्षा में बेहतर रैंक हासिल किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाध्यापक प्रशांत कुमार द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया कार्यक्रम में बेहतर रैंक लाने वाले सिंटू, अनु और दिव्या यादव को स्मृति चिन्ह और नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।
कार्यक्रम के बाबत जानकारी देते हुए प्रधानाध्यापक प्रशांत कुमार में कहा कि परीक्षा में बेहतर रैंक लाकर विद्यालय के बच्चों ने क्षेत्र का नाम रोशन किया है हम उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं। कार्यक्रम में एआरपी उमाशंकर बौद्ध, अध्यापक अशोक कुमार गौतम, संजय कुमार और एसएमसी अध्यक्ष अर्जुन कुमार के साथ कई अभिभावक व गणमान्य लोग मौजूद रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत अब 13 जुलाई को

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। लोकसभा सामान्य निर्वाचन–2024 के दृष्टिगत 11 मई को आहूत होने वाली द्वितीय राष्ट्रीय लोक अदालत अब आगामी दिनांक 13 जुलाई दिन शनिवार को आयोजित की जायेगी। उक्त जानकारी अपर जिलाधिकारी कमलेश चन्द्र ने दी है। उन्होने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया हैं कि राष्ट्रीय लोक अदालत में निस्तारण हेतु अधिक से अधिक वादों को चिन्हित कर निर्धारित प्रारूप पर सूचना आगामी 8 जुलाई तक उपलब्ध करायें।

गोकशी करने वालों के लिए खुलेंगे जहन्नुम के द्वार–योगी

लखनऊ (आभा)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संभल के गुन्नौर और आंवला लोकसभा क्षेत्र के फरीदपुर की सभाओं में विपक्षी दलों पर हमला बोला। योगी ने कहा, कांग्रेस–सपा और बसपा अल्पसंख्यकों को गोकशी की छूट देना चाहते हैं। कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में अल्पसंख्यकों की पसंद का भोजन देने का वादा किया है लेकिन हम गोमाता की रक्षा के लिए अपनी जान भी दे सकते हैं। योगी ने सख्त लहजे में कहा कि यूपी में गोकशी करने वालों के लिए जहन्नुम के द्वार खोल दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को बदायूं के प्रत्याशी दुर्विजय शाक्य के समर्थन में गुन्नौर के बबराला और आंवला के उम्मीदवार धर्मेंद्र कश्यप के समर्थन में फरीदपुर में जनसभा की। इस दौरान मुख्यमंत्री योगी कांग्रेस और सपा पर हमलावर रहे।
योगी ने कहा कि कांग्रेस के घोषणा पत्र में अल्पसंख्यकों को उनकी पसंद के खाने की स्वतंत्रता देने का वादा किया गया है। कांग्रेस की ओर से किए गए इस वादे से गोकशी की घटनाएं बढ़ेंगी लेकिन हम ऐसा होने नहीं देंगे। उन्होंने कहा कि अयोध्या के महाराज दिलीप ने गोमाता को शेर के मुंह से छुड़ाया था और बाद में उन्हीं के कुल में भगवान राम पैदा हुए। सपा–कांग्रेस और बसपा को गलतफहमी है कि वह किसी भी समुदाय की रुचि के अनुसार खान–पान की स्वतंत्रता दे देंगे। योगी ने कहा कि गोकशी करना तो दूर ऐसा सोचने वालों को भी जहन्नुम भेज दिया जाएगा। योगी ने इंडिया गठबंधन पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि पहले कांग्रेस और सपा के नेतृत्व वाला गठबंधन राम के अस्तित्व को नकारता था। अब रामलला का भव्य मंदिर बनने के बाद कांग्रेस व सपा के नेता भी कहते हैं कि राम सबके हैं। कांग्रेस व सपा का दोहरा चरित्र है और कांग्रेस वाले चुनाव के बाद जनता को नहीं पहचानते। योगी ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी की तारीफ पाकिस्तान के पूर्व मंत्री कर रहे हैं।

निर्दलीय ठाकुर प्रेम नन्दवंशी ने सादगी के साथ किया नामांकन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिलाध्यक्ष ठाकुर प्रेम नन्दवंशी ने शुक्रवार को निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन किया।
नामांकन के बाद ठाकुर प्रेम नन्दवंशी ने कहा कि लोकतंत्र और संविधान बचाने के लिये वे चुनाव मैदान में हैं। देश के गरीब, कमजोर वर्ग को जगाने, उन्हें लोकतंत्र का महत्व समझाने और अपनी ताकत पहचानने का संदेश लेकर वे बस्ती लोकसभा 61 के गांव गांव जायेंगे और जन सहयोग से चुनाव लड़ेंगे। नामांकन के बाद वे पानी की टंकी के निकट स्थित संतगाडगे प्रतिमा पर पहुंचे और माल्यार्पण कर स्वस्थ, जन केन्द्रित राजनीति का संकल्प दोहराया।
नामांकन के समय ठाकुर प्रेम नन्दवंशी के साथ ओंकार शर्मा, आलोक ठाकुर, शोभाराम ठाकुर, रामकिशोर ठाकुर, डा. हरिकेश, डा. शुभनरायन, राहुल शर्मा, विद्यानन्द, विश्राम शर्मा, किशुन प्रसाद, दीनानाथ, गुरूदीन, अगस्त राम, यमुना प्रसाद, दिनेश कुमार शर्मा, राजकुमार श्रीवास, रोहित शर्मा आदि कलेक्ट्रेट परिसर स्थित नामांकन कक्ष के निकट उपस्थित रहे।

जिला महिला अस्पताल की बाउंड्रीवाल तोड़कर बनायी गई बीयर की दूकान हटायी गई

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। जिला महिला अस्पताल की बाउंड्रीवॉल तोड़कर परिसर में अनाधिकृत तरीके से खोली गई बीयर की दुकान को प्रशासन ने लंबे जद्दोजहद के बाद हटवा दिया है। एसडीएम सदर शत्रुघ्न पांडेय के नेतृत्व में तहसीलदार सदर विनय प्रभाकर और आबकारी इंस्पेक्टर सुनील कुमार मयफोर्स पहुंचे। क्रेन के जरिए गुमटी को वहां से हटवाया।
24 अप्रैल को सीएमएस महिला अस्पताल डॉ. एके वर्मा ने कोतवाली पुलिस, डीएम, एसपी, सीएमओ और एडी हेल्थ को पत्राचार करते हुए अस्पताल परिसर की बाउंड्रीवॉल को तोड़कर बीयर की दुकान खोलने पर कार्रवाई की मांग की थी। इसके बाद प्रशासन हरकत में आया। दूसरे दिन दुकान को बंद कराते हुए जांच शुरू कर दी गई। उसके बाद बीयर की गुमटी को परिसर से बाहर कर नाले पर रखवा दिया गया। गुरुवार एसडीएम के निर्देश पर नाले से बीयर की गुमटी को हटवाया गया। तहसीलदार सदर विनय प्रभाकर और आबकारी इंस्पेक्टर ने पुराने आई हॉस्पिटल परिसर और ओरीजोत जाने वाले मार्ग पर खाली स्थान पर गुमटी को रखवा दिया गया है। आबकारी इंस्पेक्टर ने बताया कि दुकान तब तक नहीं खोली जाएगी, जब तक लाइसेंसधारक दुकान के लिए स्थायी और किराए के भवन लेकर सूचित नहीं करेंगे। वहीं बीयर की गुमटी हटता देख लोगों की भीड़ एकत्र हो गई थी, लोग तमाशबीन बने रहे।
सीएमएस महिला अस्पताल डॉ. एके वर्मा ने टूटी हुई बाउंड्रीवाल को ठीक कराने के लिए स्वास्थ्य विभाग के जेई को पत्र लिखकर स्टीमेट तैयार करने के लिए कहा है। सीएमएस ने बताया कि स्टीमेट बनने के बाद बाउंड्रीवाल को ठीक कराया जाएगा। परिसर में किसी भी तरह का अतिक्रमण नहीं होने पाएगा।
सीएमएस ने 24 अप्रैल को इस प्रकरण से संबंधित एक तहरीर थाना प्रभारी को देते हुए उसकी कॉपी जिले के सभी उच्चाधिकारियों को दी थी। बावजूद इसके पुलिस विभाग ने इस मामले को जिला प्रशासन के पाले में गेंद डालते हुए जांच रिपोर्ट पर मामला अटका दिया है। 24 तारीख से सीएमएस की तहरीर फाइलों में टहल रही है। पुलिस जांच होने का हवाला देकर केस दर्ज करने से परहेज कर रही है, जिसको लेकर कई सवाल उठ रहे हैं। आठ दिन बीतने के बाद भी बाउंड्रीवॉल तोड़ने वाले और अनाधिकृत कब्जा कर शराब की दुकान खोलने वाले के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं हुई है। इस मामले में एएसपी ओपी सिंह ने बताया कि प्रशासन की जांच रिपोर्ट अभी प्राप्त नहीं हुई है। रिपोर्ट मिलने पर विधिक कार्रवाई की जाएगी।

आगरा में स्वामी प्रसाद मौर्य पर फेंका जूता

आगरा (आभा)। अपने बयानों को लेकर चर्चा में रहने वाले स्वामी प्रसाद मौर्य पर एक बार फिर जूता फेंका गया है। आगरा में स्वामी प्रसाद पर जनसभा के दौरान एक युवक ने जूता फेंका। युवक ने दूसरा जूता भी फेंकने की कोशिश की। इसके बाद जेब से काला झंडा निकालकर मुर्दाबाद के नारे भी लगाए। मौके पर मौजूद लोगों ने युवक की जमकर पिटाई की है। युवक की पहचान हिन्दू महासभा के पदाधिकारी के रूप में हुई है। फिलहाल पुलिस ने युवक को अपनी हिरासत में ले लिया है। इससे पहले लखनऊ में भी एक बार स्वामी प्रसाद मौर्य पर वकील के भेष में आए युवक ने जूता फेंका था।
स्वामी प्रसाद मौर्य आगरा के डौकी थाना क्षेत्र में माता सती मंदिर पर पार्टी प्रत्याशी होमत सिंह निषाद के पक्ष में जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इसी दौरान सामने दर्शकों में बैठा एक युवक तेजी से बैरिकेड को पार करके आगे आता है और अपने दाए पैर का जूता उतारकर स्वामी प्रसाद के ऊपर फेंकता है। जूता स्वामी प्रसाद को न लग कर माइक में लगता है। इस पर वह दूसरे पैर का भी जूता उतारकर उनके ऊपर फेंकते हुए जेब से काला झंडा निकालकर भी उन्हें दिखाते हुए भागता है।
लेते हैं। तब तक स्वामी प्रसाद के समर्थक भी उसे पकड़ लेते हैं और जमकर उसकी पिटाई शुरू कर देते हैं।

जाम में घंटो परेशान होने को मजबूर हैं लोग, जिम्मेदार मौन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। चुनाव में विकास की चर्चा जोरों पर है किन्तु शहर के जिला अस्पताल चौराहे पर जाम की समस्या आम बात बन गई है। खासतौर से ऑफिस व स्कूल टाइम में लगने वाले जाम से निकलना किसी चुनौती से कम नहीं रहता। अस्पताल चौराहे पर लंबा जाम नियति बन गया है। चारों तरफ से आने वाले वाहनों के साथ ही जिला अस्पताल से बीच–बीच में निकल रहे वाहन जाम को बढ़ाते है तेज धूप में जाम में फंसे वाहन चालकों के साथ ही राहगीरों को मुश्किलों का सामना करना पड़ता है।
चिलचिलाती धूप में बहुत देर तक खड़ा होना भी लोगों को बेहाल कर दे रहा है। इस चौराहे से रोज गुजरने वालों को अतिरिक्त समय लेकर ही घर से गंतव्य के लिए निकलना पड़ता है। स्कूली बच्चे भी दिन के वक्त जाम में फंसकर परेशान होते नजर आए। बस्ती–कांटे मार्ग स्थित शहर का अस्पताल चौराहा काफी व्यस्त हो गया है। आसपास आबादी संग वाहनों का दबाव यहां बहुत अधिक है। गोरखपुर जाने वाली रोडवेस की अधिकतर बसें भी इस मार्ग से गुजरती हैं। जिला अस्पताल भी चौराहे पर ही स्थिति होने के कारण वाहनों का दबाव और बढ़ जाता है। अक्सर एंबुलेंस को भी इस जाम का हिस्सा बनना पड़ता है। ट्रैफिक मैनेजमेंट को बेहतर बनाकर ही इसे जाम के झाम को कम किया जा सकता है। अधिकारियों के अनेको बार दिये निर्देश नाकारा साबित हो रहे हैं।

चुनाव में माइक्रोआब्जर्वर की भूमिका महत्वपूर्ण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 में स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से मतदान कराने में माइक्रोआब्जर्वर की महत्वपूर्ण भूमिका है। सभी माइक्रोआब्जर्वर भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त सामान्य प्रेक्षक के निर्देश में कार्य करेंगे तथा प्रत्येक घटना की सूचना समय से उन्हें देंगें। उक्त निर्देश जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी अंद्रा वामसी ने दिये है। वे आडिटोरियम में माइक्रोआब्जर्वर के प्रथम प्रशिक्षण सत्र को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होने निर्देश दिया कि वे यह देखेंगे कि मतदान केन्द्र में कोई भी अनाधिकृत व्यक्ति प्रवेश नही कर रहा है। मतदाताओं को सही ढंग से अमिट स्याही लगायी जा रही है।

उन्होने कहा कि माइक्रोआब्जर्वर यह भी देखेंगे कि मतदान समाप्ति के पश्चात् अभिकर्ताओं को मतपत्र लेखा (17सी) की प्रति उपलब्ध करायी गयी है तथा पीठासीन अधिकारी की डायरी में सभी घटनाए दर्ज की गयी है। वे यह भी देखेंगे कि ईवीएम और मतदाता रजिस्टर में मतदाता की संख्या का मिलान किया जा रहा है। वे माकपोल, मतदान प्रारम्भ होने तथा समाप्त होने का समय भी नोट करेंगे।
उन्होने कहा कि वे यह भी देखेंगे कि मतदान केन्द्र के अन्दर एक समय में एक उम्मीदवार का केवल एक अभिकर्ता उपस्थित रहें। वे यह भी देखेंगे कि वोटर पहचान पत्र के लिए निर्धारित दस्तावेज के आधार पर ही मतदान किया जा रहा है। उन्होने निर्देश दिया कि माइक्रोआब्जर्वर मतदान केन्द्र पर 5.30 बजे से उपस्थित रहेंगे। उन्होने बताया कि 24 मई को मण्डी समिति बस्ती से प्रातः 7 बजे से मतदान पार्टी रवाना होगी तथा 25 मई को प्रातः 7 बजे से सायंकाल 6 बजे तक मतदान होगा। 25 मई को मण्डी समिति में निर्धारित स्ट्रांगरूम में ईवीएम जमा किया जायेगा।
प्रशिक्षण का संचालन भूमि संरक्षण अधिकारी डा. राजमंगल चौधरी ने किया। इस अवसर पर सीडीओ/कार्मिक प्रभारी जयदेव सीएस, डीडीओ अजय सिंह तथा 334 माइक्रोआब्जर्वर उपस्थित रहें।

नामांकन के बाद बोले राहुल गांधी 'मां ने कर्मभूमि सौंपी है', अमेठी और रायबरेली अलग–अलग नहीं

रायबरेली (आभा)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर रायबरेली सीट से शुक्रवार को नामांकन भरा। इसके कुछ घंटे बाद उन्होंने एक्स पर पोस्ट करके कहा कि रायबरेली से नामांकन उनके लिए भावुक पल था! राहुल ने लिखा, 'रायबरेली से नामांकन मेरे लिए भावुक पल था! मेरी मां ने मुझे बड़े भरोसे के साथ परिवार की कर्मभूमि सौंपी है और उसकी सेवा का मौका दिया है। अमेठी और रायबरेली मेरे लिए अलग–अलग नहीं हैं। दोनों ही मेरा परिवार हैं और मुझे खुशी है कि 40 वर्षों से क्षेत्र की सेवा कर रहे किशोरीलाल जी अमेठी से पार्टी का प्रतिनिधित्व करेंगे।
राहुल गांधी ने अपनी पोस्ट में आगे कहा, 'अन्याय के खिलाफ चल रही न्याय की जंग में मैं मेरे अपनों की मोहब्बत और उनका आशीर्वाद मांगता हूं। मुझे विश्वास है कि संविधान और लोकतंत्र को बचाने की इस लड़ाई में आप सभी मेरे साथ खड़े हैं।' इसके साथ ही उन्होंने वीडियो विलप भी शेयर किया जिसमें वो नॉमिनेशन फाइल करते नजर आ रहे हैं। इस दौरान उनके साथ उनकी मां और कांग्रेस लीडर सोनिया गांधी मौजूद रहे हैं। साथ ही बड़ी संख्या में कांग्रेस समर्थक उनके पक्ष में नारेबाजी करते दिख रहे हैं। राहुल कुछ तस्वीरों में अपनी बहन और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी के साथ भी नजर आते हैं।
दरअसल, राहुल गांधी खुद को भारतीय राजनेताओं में शतरंज का सबसे अच्छा खिलाड़ी बताते हैं। ऐसा लगता है कि अपने पहले निर्वाचन क्षेत्र अमेठी के बजाय रायबरेली से चुनाव लड़ने का निर्णय लेकर उन्होंने चुनावी बिसात पर बड़ी चाल चल दी है। राहुल को उम्मीद है कि उनकी इस चाल से विरोधी चारों खाने चित हो जाएंगे लेकिन भारतीय जनता पार्टी इसे कायरतापूर्ण तरीके से मैदान छोड़ने के तौर पर देख रही है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, 'वह राजनीति और शतरंज के अनुभवी खिलाड़ी हैं'।

एनडीए गठबंधन की जीत के लिये अपना दल 'एस' ने झोंकी ताकत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। शुक्रवार को अपना दल एस की बैठक प्रेस क्लब सभागार में जिलाध्यक्ष राजमणि पटेल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक को मुख्य अतिथि के रूप में सम्बोधित करते हुये प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार पाल ने कहा कि लोकसभा के चुनाव में एनडीए गठबंधन पूरी तरह से एक जुट है। उन्होने बस्ती लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी हरीश द्विवेदी की जीत सुनिश्चित करने का आवाहन करते हुये कहा कि अपना दल एस पदाधिकारी, कार्यकर्ता पूरी तरह से जुट जाय।
पार्टी के राष्ट्रीय सचिव राम नयन पटेल ने कहा कि केन्द्र की सरकार ने जनहित के अनेक कार्य किये हैं और नरेन्द्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाने के लिये राष्ट्रीय अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल के आवाहन पर अपना दल एस पदाधिकारी गांव– गांव जाकर एनडीए गठबंधन की अलख जगा रहे हैं। व्यापार मंच के प्रदेश उपाध्यक्ष सुखराम पटेल कहा कि पार्टी के संस्थापक डॉ. सोनेलाल पटेल का स्वप्न एकजुटता से ही साकार होगा।
अपना दल एस के क्षेत्रीय अध्यक्ष विवेक चौधरी, प्रदेश सचिव संजय पगार, जिलाध्यक्ष राजमणि पटेल ने कहा कि एनडीए गठबंधन का तीसरी बार सरकार बनने पर ही विकास कार्यो को और गति मिलेगी। बैठक में मुख्य रूप से प्रदीप पटेल राना, रमेश चन्द्र गिरी, शिव कुमार चौधरी, अरूण कुमार चौधरी, निसार अहमद, संजय चौधरी, दुर्गेश चौधरी, चिन्तामन वर्मा, नगेन्द्र प्रताप, विजय कुमार वर्मा, देव पटेल, पवन वर्मा, वीरेन्द्र कुमार पटेल, चन्द्र मोहन लाल श्रीवास्तव, उमा प्रसाद, सन्तराम पटेल, शिवेन्द्र चौधरी, गंगेश्वर पटेल, अभिषेक चौधरी, अमित चौधरी, विजय पटेल, नगेन्द्र कुमार, बलराम चौधरी, रामजीत पटेल, सुरेश पटेल, प्रमोद कुमार पाल के साथ ही पार्टी के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

–बैठक में एकजुटता और जीत के लिये जुट जाने का आवाहन

भूटान में 'अन्तर्राष्ट्रीय साहित्य गौरव सम्मान' से सम्मानित हुये डॉ. राम कृष्ण लाल 'जगमग'

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। वरिष्ठ कवि डॉ. राम कृष्ण लाल 'जगमग' को उनके योगदान के लिये भूटान में 'अन्तर्राष्ट्रीय साहित्य गौरव सम्मान' से सम्मानित किया गया। वे 'अन्तर्राष्ट्रीय कवि सम्मेलन में हिस्सा लेने भूटान के फुन्टशोलिंग शहर में गये थे। उन्हें कवि सम्मेलन के अध्यक्षता करने का भी गौरव दिया गया।
पिछले 5 दशक से निरन्तर साहित्य के क्षेत्र में सकिय डा. 'जगमग' की 8 पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी है। डॉ. राम कृष्ण लाल 'जगमग' को भूटान में सम्मानित किये जाने पर देश के अनेक साहित्यकारों ने प्रसन्नता व्यक्त किया है। वरिष्ठ चिकित्सक एवं साहित्यकार डा. वी.के. वर्मा ने कहा कि हिन्दी कविता के क्षेत्र में डॉ. जगमग की साहित्य यात्रा स्वंय में विविधता लिये हुये हैं. उनकी कृति 'चाशनी' से लेकर ' किसी की दिवाली किसी का दिवाला' विलाप खण्ड काव्य, 'हम तो केवल आदमी है' ' सच का दस्तावेज' खुशियों की गौरैया, 'बाल सुमन' बाल चेतना, आदि कृतियों में वे कभी हास्य तो कभी गंभीर दर्शन के रूप में आम आदमी की पीड़ा व्यक्त करते हुये उनका प्रतिनिधित्व करते हैं. कहा कि इन दिनों वे 'स्वामी विवेकानन्द' पर केन्द्रित महाकाव्य का सृजन कर रहे हैं, निश्चित रूप से उनका साहित्यिक संसार घोर तमस में समाज का पथ प्रदर्शन करेगा।
वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम प्रकाश शर्मा ने कहा कि डा. जगमग ने जहां स्वयं अनेकों कृतियां समाज को दिया वहीं वे पूर्वान्चल में समर्थ कवियों की पीढी तैयार कर रहे हैं. निश्चित रूप से यह कठिन कार्य है, नई पीढी उनसे बहुत कुछ सीख सकती है। वरिष्ठ साहित्यकार ज्ञानेन्द्र द्विवेदी 'दीपक'ने कहा कि डा. जगमग का रचना संसार जन सरोकारों से जहां सीधा जुड़ा है वहीं उनके कटाक्ष और तीखे व्यंग्य श्रोताओं की जुबान पर चढ़े हुये है। डॉ. त्रिभुवन प्रसाद मिश्र ने कहा कि डॉ. जगमग का जीवन साहित्य को समर्पित है. कवि सम्मेलनों में वे आम आदमी की भावना को सहज रूप में छू जाते हैं।
विदेश की धरती भूटान में मिले सम्मान से उत्साहित डा. रामकृष्ण लाल 'जगमग' ने कहा कि उन्होने जिस तरह से जीवन को देखा उसे शब्दों में उतार दिया. यह क्रम अनवरत जारी है। भूटान का कवि सम्मेलन उनकी स्मृतियों में रहेगा। बहुत कुछ जानने, समझने को मिला और अनेक साहित्यकारों, कवियों से भेंट हुई। यह सम्मान जनपदवासियों को समर्पित है।
डॉ. राम कृष्ण लाल 'जगमग' को भूटान में सम्मानित किये जाने पर मुख्य रूप से प्रो. ओमपाल सिंह 'निडर' डा. राधेश्याम 'बंधु' भूषण त्यागी, अनुराग मिश्र 'गैर' डा. राम नरेश सिंह मंजुल, प्रदीप चन्द्र पाण्डेय, विनोद उपाध्याय, रहमान अली 'रहमान', अर्चना श्रीवास्तव, दीपक सिंह प्रेमी, डा. राजेन्द्र सिंह 'राही' बी.के. मिश्र, पवन श्रीवास्तव, हरिलाल मिलन, सुनीता चतुर्वेदी, डा. सत्यव्रत द्विवेदी, सत्यमवदा शर्मा, डा. अफजल हुसेन अफजल के साथ ही अनेक साहित्यकारों, कवियों ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 4 मई 2024 शनिवार

सम्पादकीय

नोट पर वोट....?

केन्द्रीय चुनाव आयोग नकदी जब्त करने का पिछला सारा रिकॉर्ड इस चुनाव में तोड़ देगा, जब्त की गई नकदी का आंकड़ा देख कर यही लगता है। आदर्श आचार संहिता लागू होने के कुछ समय बाद ही यह आंकड़ा 4,650 करोड़ रुपए पर पहुंच गया। प्रतिदिन औसतन 100 करोड़ रुपए की बरामदगी में प्रायः सभी दलों के प्रत्याशी शामिल रहे हैं। दूसरे चरण के चुनाव से ठीक पहले कर्नाटक में भाजपा के उम्मीदवार डा. के. सुधाकर से 4.8 करोड़ रुपए नकदी की बरामदगी हुई। पिछली बार 2019 के पूरे चुनाव में जब्त कुल नकदी 3475 करोड़ रुपए थी। यह पिछले चुनाव के दौरान एकत्र की गई कुल राशि से 34 फीसदी अधिक है। कोई दावे से नहीं कह सकता कि 7 चरणों का मतदान खत्म होने पर यह आंकड़ा कितना होगा।

सर्वोच्च न्यायालय द्वारा चुनावी बांड की वैधता पर फैसला देने के ठीक दो महीने बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसकी चर्चा करते हैं। एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि शीर्ष अदालत द्वारा चुनावी बांड योजना को रद्द करने के बाद देश को पूरी तरह से काले धन की ओर धकेल दिया है और ईमानदारी से सोचेंगे तो हर किसी को इसका पछतावा होगा। हैरत की बात है कि इस मुद्दे पर सरकार और कोर्ट दोनों ही पारदर्शता की बात करते हैं। साथ ही वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण पुनरू संशोधित दूसरी स्कीम लाने की बात करती हैं। उच्चतम न्यायालय की मदद के बिना लेन–देन के इस मामले का ज्ञान देश की जनता के लिए संभव नहीं था। 18वीं लोकसभा के चुनाव के लिए आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद ही नोट के बदले वोट का असली खेल शुरू होता है। इस खेल से लंबे समय से भारतीय लोकतंत्र को नुकसान पहुंच रहा है।

साल 2008 में परमाणु समझौते के बाद वामपंथी दल ने यू. पी.ए. सरकार को बाहर से समर्थन देना बंद कर दिया था। नतीजतन अविश्वास प्रस्ताव का सामना करने वाली मनमोहन सिंह सरकार पर नोट के बदले वोट का आरोप लगा था। लोकसभा में अशोक अर्गल, फग्गन सिंह कुलस्ते और महावीर भगोड़ा जैसे तीन भाजपा सांसद नकदी के बंडल लहरा कर सत्ता पक्ष पर खरीद फरोख्त का आरोप लगाते हैं। बाद में साक्ष्य के अभाव के नाम पर इसे दबा दिया गया। यह एक अबूझ पहेली बन कर गई। राज्य विधानसभाओं में खरीद–फरोख्त बराबर होती है। इसी वजह से पांच सितारा होटलों में विधायकों को नजरबंद करने की परम्परा कायम हुई।

विश्वास मत की आड़ में विकसित हुई इस व्यवस्था का अपना महत्व है। कांग्रेस नेता और तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को जब राज्य की पुलिस द्वारा 2015 में गिरफ्तार किया गया था तो वह तेदेपा के सदस्य थे। नौ साल पहले उन्हें विधायक एल्विस स्टीफेंसन को वोट के लिए 50 लाख रुपए की रिश्वत देते हुए पकड़ा गया था। यह मामला आज भी कोर्ट में लंबित है। सत्ता के निचले पायदान पर स्थिति बहुत गंभीर है। लोकतंत्र में सबसे शक्तिशाली माने जाने वाले आम नागरिक क्या इस पर किसी से पीछे रहना चाहते हैं? बारामती में शरद पवार की बेटी सुप्रिया सुले और अजीत पवार की पत्नी सुनेत्रा पवार के बीच जंग में निर्णय करने वाली जनता में ऐसे लोगों की कमी नहीं, जो खुल कर पैसा लेने की बात स्वीकार रहे हैं।

दिल्ली के मुख्यमंत्री ने खुले–आम दिल्लीवासियों से दूसरी पार्टी से पैसे लेकर आम आदमी पार्टी को वोट करने की अपील की। ऐसी दशा में यह नहीं कहा जा सकता है कि चुनावी बांड योजना के जारी रहने पर नकदी बांटने का खेल भी खत्म हो गया होता। आधुनिक भारत की राजनीति पर लालच का दुस्साध्य रोग हावी है। सरकार राजनीतिक चंदे को नकदी से बैंकिंग सिस्टम में लाने का काम ही पारदर्शता समझती है। यदि इसमें सच्चाई नहीं होती तो ई.डी. और सी.बी.आई. के छापों के बाद बॉन्ड खरीदने वाली कंपनियों के साथ भाजपा की सांठ–गांठ पर चर्चा नहीं चल रही होती।

इस एक संकट के साथ भय और भ्रम का मायाजाल पसरा है। मतदान की गोपनीयता का कानून इसी पर आधारित है। सामाजिक और आध्यक गैर–बराबरी के कारण ऐसा ही होता रहेगा। फिरंगियों को पता था कि देश की आजादी के लिए कुर्बानी देने वाले वीरों का भारत नियम–कानून के बूते ही कमजोर किया जा सकता है। राजनीतिक अर्थशास्त्र का तिलिस्मी खेल आंखों के सामने हो कर भी ओझल प्रतीत होता है। इस परिस्थिति में आम जनता के सामने मनोरंजन के साधन बढ़ते रहेंगे और शासन व्यवस्था से जुड़ी बातें गोपनीयता का लबादा ओढ़ती बढ़ेंगी। देशप्रेम और लोक सेवा की भावना आजादी की लड़ाई के प्राण तत्व माने गए हैं। आजादी के बाद सामाजिक राजनीतिक क्षेत्र में क्या यह भाव कहीं है? राजनीति में धनबल व बाहुबल का शंखनाद होने लगा है। क्या अब पारदर्शिता की बात पर विधायिका और न्यायपालिका में सहमति कायम होगी? राजनीतिक दलों की फंडिंग में पारदर्शिता की बात पर सुप्रीम कोर्ट भी मानती है कि कॉर्पोरेट योगदान पूरी तरह से व्यावसायिक लेन–देन है। यह बदले में लाभ हासिल करने के इरादे से ही किया जाता है। कॉर्पोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी (सी.एस.आर.) के नाम पर बड़ा खेल चल रहा है।

चुनाव प्रचार में चीन के मुद्दो से परहेज क्यों

–अशोक के. मेहता–

भाजपा का चुनावी फोकस हाल के चीन तनाव से हटकर 1962 के संघर्ष के दौरान नेहरू के कार्यों को उजागर करने पर केंद्रित हो गया है। चीन आम तौर पर अब तक चुनावी घोषणापत्रों और प्रचार से गायब रहा है। पूर्व सेना प्रमुख जनरल नरवणे ने हाल ही में अजमेर में एक साहित्यिक उत्सव में चीन को भारत के लिए प्राथमिक खतरा बताया था। एल.ए.सी. पर टकराव को जोडना एक अच्छी बात थी क्योंकि इससे यह जमीनी हकीकत सामने आ गई थी जिसे स्वीकार करने में दिल्ली को शर्म आ रही थी। विदेश मंत्री एस.जयशंकर और विशेष रूप से रक्षा सचिव गिरधर अरमाने ने बीजिंग का निर्दयी संदर्भ दिया है।

नरवणे ने अपनी किताब 'फोर स्टार्स ऑफ़ डेस्टिनी' में भारत–चीन टकराव के बारे में विस्तार से लिखा है जो उनकी देख–रेख में शुरू हुआ था। यह खुफिया जानकारी की एक गंभीर विफलता थी जिसने चीन को उनकी 1956 की दावा रेखा के अनुरूप राष्ट्र के भारतीय पक्ष के लगभग 2000 वर्ग कि.मी. क्षेत्र पर कब्जा करने की अनुमति दी। गलवान में टाली जा सकने वाली त्रासदी और 21 दौर की सैन्य वार्ता (21 फरवरी को अंतिम दौर) के बाद भी चीन द्वारा अप्रैल 2020 की यथास्थिति बहाल करने से इन्कार ने भारत को गंभीर संकट में डाल दिया है। 1998 में भारत ने चीन को परमाणु परीक्षण करने का कारण बताया, जिससे चीन नाराज हो गया और तत्कालीन विदेश मंत्री जसवन्त सिंह को 'गांठ खोलने' के लिए बीजिंग की यात्रा करनी पड़ी।

मैं बीजिंग में इस बात का गवाह था, तब भी जब हमारी सेना टोलोलिंग हाइट्स, कारगिल पर कब्जा कर रही थी। सिंह को कहना पड़ा कि चीन कोई खतरा नहीं है। बाद में तत्कालीन रक्षा मंत्री जॉर्ज फर्नांडीस ने चीन को नंबर एक खतरा बताया। हालांकि इसे 'नंबर 1 दुश्मन' के रूप में गलत तरीके से पेश किया गया। इससे एक कूटनीतिक हंगामा खड़ा हो गया क्योंकि चीन किसी भी देश द्वारा खतरे के रूप में देखे जाने या इससे भी बदतर खतरे के प्रति बेहद संवेदनशील है। सरकार चीन पर अपनी अभिव्यक्ति में सावधानी बरत रही है क्योंकि उसे कूटनीतिक रूप से पूर्ण विघटन सुनिश्चित करने की उम्मीद है। लेकिन फरवरीध्मार्च में हालात बदल गए।

जयशंकर ने रायसीना डायलॉग में बोलते हुए कहा कि चीन को माइंड–गेम खेलने की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए जिसका मुकाबला करने के लिए भारत को बेहतर संतुलन हासिल करने के लिए अन्य तरीकों (अमेरिकी मदद) का इस्तेमाल करना चाहिए। उनकी यह टिप्पणी दिल्ली में इंडस–एक्स फोरम में अरमाने द्वारा अभूतपूर्व रूप से बीजिंग को धमकाने वाला कहे जाने के एक दिन बाद आई है, जिसमें उन्होंने कहा था, "हमें उम्मीद है कि अगर हमें उनके समर्थन की जरूरत होगी तो हमारा मित्र अमरीका वहां मौजूद रहेगा।" 1962 के बाद से हमने स्पष्ट रूप से अमरीकी सैन्य समर्थन नहीं मांगा है। इससे चीन का परेशान होना लाजिमी है। इससे भी बुरी बात यह है कि किसी भी भारतीय अधिकारी ने कभी भी चीन को धौंसिया नहीं कहा। आश्चर्य की बात है कि चीन ने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

प्रकाशकों द्वारा अप्रैल स्नो लेपर्ड नाइट 29ध्30 अगस्त 2020 के अंशों को प्रसारित करने के बाद सरकार ने नरवणे की पुस्तक और उसके अंशों को क्षति नियंत्रण के लिए रोक दिया है, जिसमें युद्ध में सरकार के राजनीतिक नियंत्रण को कमतर बताया गया है और अग्निवीर पर विस्फोटक टिप्पणियां की गई हैं। चुनावी रैलियों के दौरान जहां विदेश नीति एक मुद्दा है विपक्ष चीन और अग्निवीर में सरकार को निशाना बना रहा है। आर्मी इंटेलीजेंस ने पुस्तक के प्रकाशन के लिए कैसे मंजूरी दी यह एक रहस्य है। 10 फरवरी 2021 को संसद में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उत्तरी पैंगोंग त्सो झील डक्षफगर्स क्षेत्र में वापसी के बारे में संसद को जानकारी दी थी। लेकिन उन्होंने कैलाश हाइट्स से वापसी का कोई उल्लेख नहीं किया, जो संभवतरू 'पारस्परिक वापसी' में निहित था। लेकिन सिंह ने कहा, "चीनी पक्ष एक इंच भी क्षेत्र नहीं लेने–देने के हमारे संकल्प से अवगत है।"

पूर्व एन.एस.ए. (राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार) शिव शंकर मेनन ने अपने लेखन में कहा है, "हम नहीं जानते कि दक्षिणी छोर (कैलाश हाइट्स) में क्या हुआ, जैसा कि हम उत्तरी छोर (पैंगोंग त्सो झील) के बारे में जानते हैं।" हाल ही में कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने स्वायत्त लद्दाख हिल डिवेल्पमैंट काऊंसिल के चुशुल काऊंसलर कोनचोक स्टैनजिन के एक एक्स पोस्ट का हवाला देते हुए कहा कि रेजांगला युद्ध स्मारक 1962 को नष्ट कर दिया गया था क्योंकि यह कैलाश हाइट्स के खाली होने के दौरान चीन के साथ बातचीत के दौरान 'बफर जोन' में आता था। भारतीय क्षेत्र में निर्विवाद कैलाश हाइट्स को बफर जोन बना दिया गया था, यह एक रहस्योद्घाटन है कि सरकार ने संसद को कभी भी सूचित नहीं किया।

उस महत्वपूर्ण रात को कैलाश हाइट्स में विकसित ऊर्ध्वाधर और क्षैतिज वृद्धि से भरी गंभीर परिचालन स्थिति में, सी.सी.एस.ध्आर. एम.ध्पी. एम. द्वारा नरवणे को कोई राजनीतिक मार्गदर्शन प्रदान नहीं किया गया था, जो सिंह के साथ तत्काल आदेश मांगने पर उनकी बातचीत से स्पष्ट हो गया। नरवणे की किताब और उसके कुछ अंशों के विमोचन पर रोक लगने के बाद, यह किताब कभी भी सफल नहीं हो पाएगी क्योंकि इसमें युद्ध जैसी स्थिति की राजनीतिक दिशा को खराब रोशनी में दिखाया गया है। लेकिन नरवणे को पता होगा कि वह सी.डी.एस. क्यों नहीं बने, जबकि कैलाश की महत्वपूर्ण ऊंचाइयां हमेशा के लिए खो गई हैं।

चुनाव अभियान में, किसी भी भाजपा नेता ने अब तक गलवान या कैलाश की पहाड़ियों का उल्लेख नहीं किया है, जो चीन के खिलाफ बल के वीरतापूर्ण उपयोग का उदाहरण थे क्योंकि इससे कई खतरे पैदा हो सकते थे। नरवणे को मैदान से बाहर रखते हुए, विपक्ष 2000 वर्ग कि.मी. भूमि के साथ–साथ 65 गश्ती बिंदुओं में से 26 को खोने के लिए सरकार पर हमला कर रहा है। 12 अप्रैल को पुणे में प्रचार करते हुए और मीडिया से बात करते हुए जयशंकर ने इस बात पर जोर दिया कि "चीन द्वारा कोई अतिक्रमण नहीं किया गयाय इसने हमारी किसी जमीन पर कब्जा नहीं कियाय लेकिन स्थिति संवेदनशील, प्रतिस्पर्धी और चुनौतीपूर्ण है।" प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और रक्षामंत्री सभी ने क्षेत्र के नुकसान से इन्कार किया है।

न्यूजवीक के साथ अपने साक्षात्कार में चीन पर एक सवाल के जवाब में, पी.एम. मोदी का संक्षिप्त उत्तर था, "बीजिंग के साथ नई दिल्ली के संबंध महत्वपूर्ण हैं और सीमा पर लंबे समय से चली आ रही स्थिति पर तत्काल गौर किया जाना चाहिए ताकि सीमाओं पर शांति और अमन–चैन बहाल किया जा सके।" चीनियों ने बयान का स्वागत करते हुए कहा कि मजबूत और स्थिर संबंध आम हित में हैं। भारत की मांग के अनुसार एल.ए.सी. की अप्रैल 2020 से पहले की स्थिति चीन कभी बहाल नहीं करेगा। किसी समझौते के फार्मूले की कल्पना करना कठिन है। नतीजतन, चीन शब्द भाजपा के चुनावी विमर्श से लगभग गायब है। बातों को बड़ी चतुराई से 1962 में नेहरू की मूर्खताओं की ओर मोड़ दिया गया। लेकिन नरवणे प्रशंसा के पात्र हैं।

(लेखक एक सेवानिवृत्त मेजर जनरल हैं। यह उनके निजी विचार हैं)

छात्र आंदोलन और अमेरिकी सख्ती का प्रश्न

–पुष्परंजन–

अमेरिका में चुनाव तक गजा का सवाल विश्वविद्यालयों में गूंजता रहेगा। इसकी गूंज फ्रांस के शिक्षा केंद्रों में भी होने लगी है। क्या भारत में इसका 'वायरस' फैलने वाला है? यह सवाल देश के कई कैंपसों से मिलना बाकी है। पिछले हफ्ते पेरिस के एक शीर्ष विश्वविद्यालय 'साइंसेज–पो' में अमेरिका की देखादेखी फलस्तीनी समर्थक प्रदर्शन शुरू हुआ। इमैनुएल मैक्रों इस प्रदर्शन से इतने नाराज हुए कि 'साइंसेज–पो' की फंडिंग ही निलंबित कर दी। 'साइंसेज–पो' में राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और उनके प्रधानमंत्री गाब्रिएल अट्टल पढ़ाई कर चुके हैं। लेकिन ऐसा फैसला लेते समय मैक्रों ने इसका लिहाज नहीं किया। गजा में जारी युद्ध, फ्रांस के लिए संवेदनशील मुद्दा है। फ्रांस पश्चिमी यूरोप के यहूदियों और प्रवासी मुसलमानों के लिए घर जैसा है, इसलिए दोनों तरफ से टकराव की स्थिति बनी रहती है।

फ्रांस के धुर वामपंथी एलएफआई (ला फ्रांस इंसोमाइज) के सांसदों ने छात्रों द्वारा विरोध प्रदर्शन का समर्थन किया है। मई दिवस के दिन ज्यों लुक मेलेन्कोन ने रूढ़िवादियों और मैक्रों सरकार के अवसरवादी व्यवहार की आलोचना की है। फ्रांसीसी प्रधानमंत्री गाब्रिएल अट्टल ने कहा कि बहस की गुंजाइश हमेशा रहती है, लेकिन 'साइंसेज–पो' के शैक्षिक माहौल को अवरुद्ध करने वाले अल्पसंख्यक छात्र, बहुसंख्यकों पर अपने विचार थोप रहे थे। ऐसी विचारधारा को हम 'अटलांटिक पार से आयातित' कह सकते हैं।

लेकिन इस समय जेरे बहस जो बाइडेन हैं, जिनके चुनाव के समय अमेरिकी विश्वविद्यालयों में जोरदार प्रदर्शन हो रहे हैं। 1 मई तक अमेरिका के 30 से अधिक कैंपसों में हुए प्रदर्शनों में 1400 से अधिक प्रदर्शनकारी गिरफ्तार किये गये हैं। गजा में नरसंहार रोकने के सवाल पर लगातार हुए प्रदर्शन को रोकने के वास्ते, और यहूदी विरोधी भावना से निपटने के लिए अमेरिकी कांग्रेस ने बुधवार को एक विधेयक पास हुआ।

इसके पक्ष में 320 सांसद थे, और विरोध में 91. इक्कीस रिपब्लिकन और 70 डेमोक्रेट्स ने इसके खिलाफ मतदान किया था। बहुसंख्यक अमेरिकी जनता युद्धविराम के पक्ष में है, बावजूद इसके जो बाइडेन की जिद कहिए कि अमेरिका इस्राइल का समर्थन कर रहा है। इस समय न्यूयार्क स्थित कोलंबिया विश्वविद्यालय में तनाव की स्थिति है। बुधवार को संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक में इस्राइल के राजदूत गिलाद एर्दान ने छात्र प्रदर्शनकारियों की निंदा की। गिलाद एर्दान ने कहा, 'हम हमेशा से जानते थे कि हमास स्कूलों में छिपा है। हमें यह अहसास ही नहीं हुआ कि यह सिर्फ गाजा के स्कूलों में नहीं है, बल्कि अमेरिका में हार्वर्ड, कोलंबिया जैसे कुलीन विश्वविद्यालय भी इनके केंद्र हैं।'

व्हाइट हाउस के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने मंगलवार को संवाददाताओं से कहा कि राष्ट्रपति जो बाइडेन का मानना है कि छात्रों द्वारा एक शैक्षणिक भवन पर कब्जा करना बिल्कुल गलत है। इसे शांतिपूर्ण विरोध हम कतई नहीं कह सकते। डेमोक्रेट जमाल बोमन, जो कोलंबिया विश्वविद्यालय के पास न्यूयॉर्क जिले का प्रतिनिधित्व करते हैं, ने इसे रोकने का आह्वान किया। बोमन ने एक बयान में कहा, 'कॉलेज परिसरों का सैन्यीकरण, पुलिस की व्यापक उपस्थिति और सैकड़ों छात्रों की गिरफ्तारी, हमारे लोकतंत्र की बुनियाद के बरअक्स है। विरोध प्रदर्शनों से निपटने के तरीके को लेकर कोलंबिया की अध्यक्ष मिनोचे शफीक ने हिंसा की निंदा की और कहा कि कैंपस में शैक्षणिक स्वतंत्रता सुनिश्चित होनी चाहिए। कोलंबिया यूनिवर्सिटी में जब टेंट गाड़कर प्रदर्शनकारी अड़ गये, और पुलिस ने उसे खघली कराने के लिए जिस तरह से बल प्रयोग किया, उसे कोई भी अमन पसंद व्यक्ति सराह नहीं सकता।

अमेरिका में प्रदर्शनकारियों को दोनों हाथों को पीछे कर हथकड़ी लगाकर ले जाने वाले विजुअल्स पूरी दुनिया देख रही है। वह किसी भी लोकतंत्रकामी को रास नहीं आ सकता। वही अमेरिका भारत को लोकतंत्र की नसीहत देता है। अफसोस, अमेरिका की बर्बर और बेहिस पुलिस पर सवाल करने की मनाही है। वर्ष 2005 में पेंटागन से वाशिंगटन डीसी के बाल्टीमोर तक मेट्रो के सफर को भूला नहीं हूं, जब बर्गर खा रहे एक स्कूली छात्र को पुलिस हथकड़ी लगाकर ले गई। अमेरिका में छोटी–छोटी बातों पर पुलिस द्वारा पिस्तौल तान देना, पटककर पीछे से हथकड़ी लगा देना सामान्य–सी बात है।

भारत में जघन्य आपराधिक मामलों वाले अभियुक्त को ही हथकड़ी लगाने का कोर्ट आदेश मिलता है। 80 के दशक में साधारण अपराध मामले में हथकड़ी पर रोक लगा दी गई थी। उमर खघलिद को हथकड़ी लगाने के आवेदन को रद्द करते हुए दिल्ली की अदालत ने टिप्पणी की थी कि उमर कोई गैंगस्टर नहीं है। तो क्या लोकतंत्र का चौधरी बने अमेरिका को भारत से नसीहत लेने की जरूरत है? गजा के दमन चक्र के सवाल पर अमेरिकी कैंपस कुछ हफ्तों से छिटपुट प्रदर्शनों की चपेट में थे।

लेकिन 22 अप्रैल, 2024 को यह प्रदर्शन फैल गया, जब न्यूयॉर्क विश्वविद्यालय, येल विश्वविद्यालय, एमर्सन कॉलेज, मैसाचुसेट्स इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) और टफ्ट्स विश्वविद्यालय सहित पूर्वी तट के कई परिसरों पर छात्रों ने टेंट लगाकर कब्जा करना शुरू कर दिया। 40 से अधिक कैंपसों में 'प्रोटेस्ट कैंप' लगा देखकर सरकार के हाथ–पांव फूल चुके थे। प्रदर्शन स्थल पर टेंट गाड़ देने से जो बाइडेन प्रशासन की भृकुटि तन चुकी थी। कोलंबिया विश्वविद्यालय में तीन समूहों ने पिछले बुधवार को 'टेंट सिटी' स्थापित की। ये समूह हैं स्टूडेंट फॉर जस्टिस इन फलस्तीन (एसजेपी), जेविश वॉयस फॉर पीस (जेवीपी) और विदीन ऑवर लाइफटाइम। छात्रों ने यूनिवर्सिटी प्रशासन से अपील की थी कि वह उन कंपनियों के साथ काम करना बंद करे, जो गजा में युद्ध का समर्थन कर रही हैं।

25 अप्रैल, 2024 को एमर्सन कॉलेज, दक्षिणी कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय और टेक्सास विश्वविद्यालय में बड़े पैमाने पर गिरफ्तारियां हुईं। प्रदर्शन यूरोप, ऑस्ट्रेलिया और कनाडा में फैल गए। गत 27 अप्रैल को जारी कार्रवाई के कारण वाशिंगटन डीसी, एरिजोना और इंडियाना विश्वविद्यालयों में लगभग 275 गिरफ्तारियां हुईं। एमोरी विश्वविद्यालय में हिरासत में लिए गए लोगों में कई प्रोफेसर भी शामिल थे। वाशिंगटन विश्वविद्यालय में कर्मचारियों तक को गिरफ्तार किया गया था। लेकिन यह सब कुछ एकतरफा नहीं था। 28 अप्रैल को एमआईटी, पेंसिल्वेनिया विश्वविद्यालय, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, लॉस एंजिल्स के यूसीएलए में जवाबी विरोध प्रदर्शन आयोजित किए गए। प्रोटेस्ट के जवाब में काउंटर प्रोटेस्ट। कौन करा रहा था, ये सब?

चूंकि अमेरिका में यह चुनाव का वक्त है, वहां सबसे पॉवरफुल इस्राइल समर्थक लॉबी 'अमेरिकन इस्राइल पब्लिक अफेयर्स कमेटी' (एआईपीएसी) जो बाइडेन के समर्थन में माहौल बनाने में लगी थी। उसके प्रयासों पर पानी फिर गया लगता है। एआईपीएसी के बरक्स यहूदी अरबपति जार्ज सोरोस खड़े हैं, जो इस्राइल के विरुद्ध प्रदर्शनों के लिए मोटी फंडिंग कर रहे हैं।

–लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

शंकाओं का हो समाधान

–डॉ. शशांक द्विवेदी–

कोविड वैक्सीन कोविशील्ड को लेकर देश–दुनिया में कई तरह के सवाल उठाए जा रहे हैं। ब्रिटेन की फार्मा कंपनी एस्ट्राजेनेका ने माना है कि उनकी कोविड–19 वैक्सीन से साइड इफेक्ट्स हो सकते हैं। हालांकि, ऐसा बहुत दुर्लभ मामलों में ही होगा। एस्ट्राजेनेका का जो फॉर्मूला था उसी से भारत में सीरम इंस्टिट्यूट ने कोविशील्ड नाम से वैक्सीन बनाई है। ब्रिटिश हाईकोर्ट में जमा दस्तावेजों में कंपनी ने माना है कि उसकी कोरोना वैक्सीन से कुछ मामलों में थ्रॉम्बोसिस थ्रॉम्बोसाइटोपेनिया सिंड्रोम यानी टीटीएस हो सकता है। इस बीमारी से शरीर में खून के थक्के जम जाते हैं और प्लेटलेट्स की संख्या गिर जाती है।

अप्रैल, 2021 में जेमी स्कॉट नाम के शख्स ने यह वैक्सीन लगवाई थी। इसके बाद उनकी हालत खराब हो गई। शरीर में खून के थक्के बनने का सीधा असर उनके दिमाग पर पड़ा। इसके अलावा स्कॉट के ब्रेन में इंटर्नल ब्लीडिंग भी हुई। रिपोर्ट के मुताबिक, डॉक्टरों ने उनकी पत्नी से कहा था कि वो स्कॉट को नहीं बचा पाएंगे। पिछले साल स्कॉट ने एस्ट्राजेनेका के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। मई, 2023 में स्कॉट के आरोपों के जवाब में कंपनी ने दावा किया था कि उनकी वैक्सीन से टीटीएस नहीं हो सकता है। हालांकि, इस साल फरवरी में हाईकोर्ट में जमा किए दस्तावेजों में कंपनी इस दावे से पलट गई। उल्लेखनीय है कि सुरक्षा संबंधित मामलों को देखते हुए यूके में अब ऑक्सफोर्ड–एस्ट्राजेनेका की वैक्सीन इस्तेमाल नहीं की जाती है। हालांकि, कई इंडिपेंडेंट स्टडीज में इस वैक्सीन को महामारी से निपटने में बेहद कारगर बताया गया। वहीं, साइड इफेक्ट्स के मामलों की वजह से इस वैक्सीन के खिलाफ जांच शुरू की गई और कानूनी कार्रवाई हुई।

कोरोना से बचाने में कोविड वैक्सीन को काफी मददगार माना गया। मगर ब्रिटिश फार्मा कंपनी की एस्ट्राजेनेका ने एक मामले में कबूला कि उसकी वैक्सीन के दुर्लभ साइड इफेक्ट में हार्ट अटैक हो सकता है। भारत में बड़े पैमाने पर इसे कोविशील्ड के नाम से लगवाया गया है। मॉडर्न लाइफ स्टाइल में ज्यादातर लोग घंटों ऑफिस में एक जगह बैठकर काम करते हैं, जिसके कारण कई सारी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। जब आप काफी देर तक एक ही जगह बैठे रहते हैं तो शरीर में खून के थक्के जमने की समस्या बढ़ जाती है। शरीर में खून के थक्के जमना को 'वेन थ्रोम्बोसिस' की बीमारी कहते हैं।

ब्लड क्लॉटिंग की बीमारी किसी भी व्यक्ति के शरीर में हो सकती है। काफी ज्यादा एक जगह बैठने के कारण यह बीमारी हो सकती है। हालांकि, यह बीमारी खतरनाक रूप तब ले लेती है जब ब्लड क्लॉट्स का एक हिस्सा टूट जाता है और फेफड़ों तक पहुंच जाता है। इसे पल्मोनरी एम्बोलिज्म कहते हैं। थ्रोम्बोसिस के कारण हार्ट अटैक, ब्रेन स्ट्रोक और प्लेटलेट्स गिरने का खतरा बढ़ जाता है। दिल का दौरा (मायोकार्डियल इन्फ्रक्शन) बेहद खतरनाक स्थिति है, जिसमें दिल की एक या उससे अधिक धमनियों में ब्लॉकेज होने लगते हैं। इसके कारण हार्ट अटैक का खतरा बढ़ जाता है। दिल में सही तरीके से ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाता है, जिसके कारण खून के थक्के जमने लगते हैं और बाद में हार्ट अटैक पड़ जाता है। ब्रेन स्ट्रोक की स्थिति में भी यही होता है कि ब्रेन में ब्लड ठीक तरीके से नहीं पहुंच पाता है। दिमाग में ऑक्सीजन की कमी के कारण ब्रेन स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है।

खास बात यह है कि इस वैक्सीन का इस्तेमाल अब ब्रिटेन में नहीं हो रहा है। टेलीग्राफ की रिपोर्ट के मुताबिक, बाजार में आने के कुछ महीनों बाद वैज्ञानिकों ने इस वैक्सीन के खतरे को भांप लिया था। सुझाव दिया गया था कि 40 साल से कम उम्र के लोगों को दूसरी किसी वैक्सीन का भी डोज दिया जाए।

बीजेपी से जनता उब चुकी बृजभूषण सिंह आए या उनका लड़का कोई फर्क पड़ने वाला नहीं -भगत राम मिश्रा

संवाददाता–बहराइच। देशभर में चर्चा का विषय बनी कैसरगंज सीट पर नामांकन के 24 घंटे पहले प्रमुख दलों ने अपने प्रत्याशियों की घोषणा कर दिया। शुक्रवार को सपा भाजपा बसपा सभी दलों दलों के प्रत्याशियों ने अपना नामांकन कर दिया है। समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी भगत राम मिश्रा ने नामांकन करने के बाद मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि सिर्फ कैसरगंज ही नहीं बल्कि पूरे देश में इस समय महंगाई बेरोजगारी सबसे बड़ा मुद्दा है। जिले के पयागपुर विधानसभा क्षेत्र के रहने वाले भगत राम मिश्रा ने समाजवादी पार्टी प्रत्याशी के रूप में अपना नामांकन पत्र आज दाखिल किया। नामांकन करने के बाद पत्रकारों के सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि इस देश में महंगाई और बेरोजगारी सबसे बड़ा मुद्दा है। दबदबा के सवाल पर उन्होंने कहा यह क्या है। देश में केवल संविधान का दबदबा है। किसी व्यक्ति विशेष का दबदबा नहीं है। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि कैसरगंज में छुट्टा जानवरों से किसान त्रस्त है। गौशाला में गाये मर रही हैं। गौशाला का प्रयोग स्लॉटर हाउस की तरह हो रहा है। जब उनसे कहा गया कि बीजेपी से आज डिप्टी सीएम गोंडा में है। और आपके पार्टी का कोई बड़ा नेता नहीं दिख रहा है। इस पर उन्होंने कहा कि हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने हर कार्यकर्ता को बड़ा नेता बना दिया है। जब उनसे कहा गया कि आज नामांकन में कटरा के और करनैलगंज के पूर्व विधायक नहीं दिख रहे हैं। इस पर उन्होंने कहा कि हमारे पार्टी में किसी नेता को कोई नाराजगी नहीं है। क्योंकि अंदर सिर्फ पांच लोगों को जाने की अनुमति थी। इसलिए पांच लोग ही गए। पत्रकारों ने सवाल किया कि एक व्यक्ति के सामने पूरी बीजेपी पार्टी झुक गई है। इस पर उन्होंने कहा कि दूसरी पार्टी पर हमारा कोई कमेंट नहीं है। बीजेपी के उसे बयान पर उन्होंने पलटवार किया। जिस पर पार्टी के नेताओं ने कहा था कि हवाई चप्पल पहन कर चलने वालों को हवाई जहाज पर चला रहे हैं। इस पर सपा प्रत्याशी ने कहा कि बीजेपी ने किसानों का हवाई चप्पल भी छीन लिया है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के अयोध्या ना जाने के सवाल पर कहां कि भगवान राम सबके हैं। मैं सैफई गया हूं। वहां पर हनुमान जी का भव्य मंदिर बना है। हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष का परिवार पूजा पाठ करता है। उनकी पत्नी डिंपल यादव नवरात्र व्रत रहती हैं। सपा में परिवारवाद के सवाल पर उन्होंने कहा कि हम भी तो सपा परिवार के हैं। बीजेपी में परिवार वाद नहीं है। बाप को टिकट नहीं मिला तो बेटा को मिला है। भाजपा प्रत्याशी के सामने चुनौती के सवाल पर उन्होंने कहा कि कोई कितनी भी बार रह चुका है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। इस बार चुनाव जनता लड़ रही है।

राहुल गांधी अमेठी की तरह रायबरेली भी छोड़ देंगे, फिर बता दिया पीडीए का अर्थ -केशव प्रसाद मौर्य

संवाददाता–गोण्डा। जिले में कैसरगंज लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी करण भूषण सिंह के समर्थन में नामांकन जनसभा को संबोधित करते हुए डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य राहुल गांधी, अखिलेश यादव और ममता बनर्जी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कर्नाटक में कांग्रेस पर आरोप लगाते हुए कहा कि वहां पर कांग्रेस ने पिछड़ों गरीबों और दलितों का आरक्षण जानबूझकर संविधान के खिलाफ जाकर मुसलमानों को दे दिया। कहा कि कांग्रेस की इस रवैया पर अखिलेश यादव ने चुप्पी साध ली। डिप्टी सीएम ने विपक्ष पर प्रहार करते हुए कहा कि सपा, बसपा और कांग्रेस बड़ी बीमारी है। बीजेपी के 400 पार होते ही यह तीनों बीमारी देश से भाग जाएगी। उन्होंने कहा कि जिन्होंने राम को ठुकरा दिया है। जनता 2024के लोकसभा चुनाव में उन्हें ठुकरा कर उनका सूपड़ा साफ कर देगी। डिप्टी सीएम यहीं नही रुके, उन्होंने अखिलेश के पीडीए का अर्थ परिवार डेवलेपमेंट अथारिटी बताते हुये कहा कि कांग्रेस के साथ गठबंधन करने वाली समाजवादी पार्टी आखिर ओबीसी दलित और गरीबों के कांग्रेस द्वारा आरक्षण छीने जाने पर चुप क्यों है।

कैसरगंज से करण भूषण ने भरा पर्चा, पिता बृजभूषण की विरासत को भी संजोने की जिम्मेदारी

संवाददाता–गोण्डा। लोकसभा चुनाव में नामांकन के अंतिम दिन कैसरगंज से बीजेपी प्रत्याशी करण भूषण सिंह ने शुक्रवार को अपना पर्चा दाखिल किया है। भाजपा ने मौजूदा सांसद बृजभूषण शरण सिंह की बजाय उनके बेटे को टिकट दिया। बेटे करण पर पिता बृजभूषण की विरासत को भी संजोने की जिम्मेदारी होगी। नामांकन के दौरान उनके साथ सदर विधायक प्रतीक भूषण सिंह, संजीव सिंह, सुमित भूषण सिंह, नवाबगंज के चेयरमैन सत्येंद्र सिंह भी रहे। नामांकन करने पहले बृजभूषण के बेटे करण भूषण मंदिर गए। करण मंदिर में पूजा अर्चना की। आपको बता दें कि कैसरगंज संसदीय सीट से टिकट को लेकर जारी ऊहापोह गुरुवार दोपहर बाद सांसद बृजभूषण शरण सिंह के बेटे करन भूषण सिंह को भाजपा प्रत्याशी बनाने की घोषणा होते ही समाप्त हो गया।अब तक पिता की कुश्ती और खेल प्रेम को

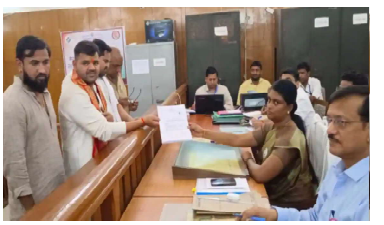

संभालने वाले करण भूषण के ऊपर उनकी सियासी विरासत को भी संजोने की जिम्मेदारी आ गई है। 13 दिसम्बर 1990 को जन्मे करण भूषण सिंह ने डॉ राम मनोहर लोहिया अवध विश्विद्यालय से बीबीएस करने के बाद एलएलबी किया है। उन्होंने वर्ष 2006 में हाईस्कूल और 2008 में इंटरमीडिएट की परीक्षा उत्तीर्ण की। अब तक वह यूरोप, आस्ट्रेलिया, दुबई, सिंगापुर और थाईलैंड की विदेश यात्रा कर चुके हैं। खास बात यह है कि उनके ऊपर कोई भी आपराधिक मामला नहीं दर्ज है। इससे पहले कैसरगंज से सपा उम्मीदवार भगतराम मिश्रा निवासी बहराइच ने समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार के तौर पर नामांकन किया। जबकि, विनीत कुमार सिंह निवासी ग्राम विश्वनाथहरपुर नवाबगंज ने कैसरगंज से निर्दलीय नामांकन किया। चन्द्र प्रकाश सिंह पुत्र हरशंकर सिंह निवासी मोहम्मद पुर ने भी इसी सीट से निर्दल प्रत्याशी के तौर पर पर्चा भरा।

पूर्व सांसद कुंवर अखिलेश सिंह समाजवादी पार्टी से निष्कासित

संवाददाता–महराजगंज। पूर्व सांसद कुंवर अखिलेश सिंह को समाजवादी पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है। यह कार्रवाई पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व आइएनडीआइए गठबंधन के प्रत्याशी के विरुद्ध अमर्यादित टिप्पणी करने के आरोप में की गई है। यह जानकारी सपा के जिलाध्यक्ष विद्यासागर यादव ने दी है। उन्होंने बताया कि दो दिन पूर्व निचलौल में आयोजित अपने संगठन के एक कार्यक्रम में पूर्व सांसद ने समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव व आइएनडीआइए गठबंधन के विरुद्ध बयानबाजी की। कांउट पर भी डाला है। यह कृत्य पार्टी अनुशासन के विरुद्ध है। जिलाध्यक्ष ने कहा कि पार्टी नेतृत्व के विरुद्ध बयानबाजी के चलते कुंवर अखिलेश सिंह को तत्काल प्रभाव से समाजवादी पार्टी से निष्कासित कर दिया गया है। कुंवर अखिलेश सिंह 1991 व 1993 में नौतनवा विधानसभा क्षेत्र से विधायक चुने गए थे। 1999 के चुनाव में वह सपा के टिकट पर सांसद बने थे। पूर्व सांसद कुंवर अखिलेश सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने 2022 तक किसानों की आय को दोगुना करने का वादा किया था। 2023 के लोकसभा व विधानसभा के बजट सत्र व मानसून सत्र में भी सपा ने इस मुद्दों को नहीं उठाया, तो मैंने नौ अगस्त को क्रांति दिवस के दिन पूर्वांचल किसान यूनियन का गठन किया, जिसमें मुझे अध्यक्ष चुना गया। विद्यासागर यादव जब से जिलाध्यक्ष मनोनीत हुए हैं, तब से आज तक मैंने सपा के किसी कार्यक्रम में भाग नहीं लिया और न ही सपा का प्रारंभिक सदस्य बना हूं। उन्होंने कहा कि यदि मैं पार्टी का सदस्य हूं तो उन्हें रसीद की प्रति को सार्वजनिक करना चाहिए। जिलाध्यक्ष को पता ही नहीं है कि कौन सपा का सदस्य है और कौन नहीं है। ऐसे में निष्कासन की बात हास्यास्पद है। मैं किसी पर अमर्यादित टिप्पणी नहीं करता हूं। सदैव सत्य बोलता हूं। मुझे सपा पर दया आ रही है कि इतना विलंब से क्यों निर्णय ले रही है।

जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल ने किया राम लला के दर्शन पूजन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा पहुंचे अयोध्या, हनुमानगढ़ी में हनुमान जी महाराज और श्री राम जन्मभूमि पहुंचकर श्री राम लला का किए दर्शन पूजन। दिल में लगभग 11 बजे मनोज सिन्हा महर्षि वशिष्ठ एयरपोर्ट अयोध्या पहुंचे और वहां से सीधे प्रभु श्री राम के अनन्य भक्त हनुमान जी महाराज के दरबार हनुमानगढ़ी पहुंचकर दर्शन पूजन किया और धर्म सम्राट अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के पूर्व अध्यक्ष महंत ज्ञान दास महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया श्री महाराज जी ने उपराज्यपाल जम्मू कश्मीर को हनुमान जी महाराज का चित्र और अंग वस्त्र भेंट किए, इस दौरान श्री महाराज जी के शिष्य संकट मोचन सेवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष महंत संजय दास भी मौजूद रहे।

संजय दास महाराज ने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा के बाद पहली बार अयोध्या दौरे पर आए उपराज्यपाल मनोज सिन्हा बहुत खुश थे और धारा 370 हटाने के बाद जम्मू कश्मीर की स्थिति के अनुसार उन्होंने उसका विकास किया आज जम्मू कश्मीर में आतंकवाद काफी कम हो गया है। हनुमान जी महाराज और श्री राम लला के दर्शन पूजन के दौरान हनुमान जी महाराज के वरिष्ठ पुजारी हेमंत दास महाराज ने उपराज्यपाल को दर्शन पूजन कराया। दर्शन पूजन के बाद उपराज्यपाल जम्मू कश्मीर वाराणसी के लिए रवाना हो गए।

चौक थानाक्षेत्र में अज्ञात महिला का शव मिलने से सनसनी

संवाददाता–महराजगंज। चौक थानाक्षेत्र के गौनरिया राजा गांव के सिवान में शुक्रवार की सुबह अज्ञात महिला का शव मिलने से सनसनी मच गई। सूचना पर भारी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे। चौक पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटना में हत्या की आशंका जताई जा रही है। लोगों का कहना कहना है कि शव को छिपाने के लिए उसे मिट्टी में दफन करने की योजना दिख रही थी। मौके से फावड़ा, सब्बल व बैग में रखा नमक भी बरामद हुआ है। गौनरिया राजा गांव के बाहर सिवान में ड्रेन की तरफ ग्रामीण जा रहे थे। ड्रेन के किनारे ही लाल साड़ी पहले महिला का शव देख ग्रामीणों ने शोर मचाया। पुलिस भी मौके पर पहुंची। शव से थोड़ी दूर महिला के एक पैर का पौजेब व एक पैर का चप्पल पड़ा था। शव के पास ही एक फावड़ा, सब्बल व झोले में रखा नमक बरामद हुआ। घटना स्थल के समीप ही रुदलापुर से गौनरिया राजा गांव जाने वाली कच्ची सड़क है। जिससे लोग आते जाते हैं। अंदेशा जताया जा रहा था कि अज्ञात महिला के शव को ड्रेन के अंदर दफन करने की योजना थी। शव लेकर आए लोग पूरी तैयारी के साथ आए थे, लेकिन आहट मिलने के बाद शव को छोड़ फरार हो गए। इस मामले में चौक थानाध्यक्ष प्रशांत कुमार पाठक का कहना है कि महिला के शव के पहचान का प्रयास किया जा रहा है। शव को कब्जे में ले लिया गया है। 72 घंटे तक पोस्टमार्टम हाउस के मोर्चरी में शव को सुरक्षित रखा जाएगा। इस दौरान पहचान नहीं होने के बाद अंतिम संस्कार कराया जाएगा। घटना को लेकर छानबीन की जा रही है।

अग्निकांड में मृत बच्ची के पिता को डीएम ने दिया चार लाख रुपए का चेक

संवाददाता–बलरामपुर। तुलसीपुर तहसील के बेलीखुर्द गांव में पहुंचकर जिलाधिकारी अरविंद सिंह ने अग्निकांड पीड़ितों को सहायता प्रदान की। आग से झुलसकर मृत बच्ची के परिवारीजनों को चार लाख रुपए की आर्थिक मदद का चेक दिया। डीएम ने घायलों के समुचित उपचार के लिए सीएमओ को निर्देशित किया। गुरुवार को बेलीखुर्द में हुई अग्निकांड में ग्रामवासी मनीराम की आठ माह की बच्ची की झुलसकर मौत हो गई थी। इसके अलावा मकान क्षति, जन एवं पशु हानि भी हुई थी। शुक्रवार को डीएम अरविंद सिंह बेलीखुर्द गांव पहुंचे। बजट न होने के बावजूद कोषागार में विशेष मद से मृतका बच्ची रीमा के पिता मनीराम को चार लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी। सभी प्रभावितों को खाने के लिए राशन, फल, सब्जी, बर्तन आदि का प्रबंध कराया। डीएम ने चौकीदार से घटना के सम्बन्ध में जानकारी लेने का प्रयास किया तो पता चला कि चौकीदार स्वयं भी घायल हो चुका है। जिन लोगों के फूस के मकान जल गए हैं, उन्हें मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत आवास देने एवं मनरेगा से पशुशाला बनाए जाने के निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि अग्निकांड की 15 दिन बाद वह समीक्षा करेंगे, जिसमें सम्बन्धित विभागों ने अग्निकांड प्रभावितों को क्या मदद दी इसकी जानकारी लेंगे।

यूको बैंक ने श्रद्धालुओं के बैठने के लिए चेयर का किया प्रबंध

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। श्री राम नगरी के अयोध्या क्षेत्र में यूको बैंक के विभिन्न योजनाओं का हुआ ऑर्गेनाइजेशन। रामनगरी अयोध्या में यूको बैंक द्वारा श्री राम जन्मभूमि मे निर्मित विश्रामगृह में श्रद्धालु ऑन को बैठने के लिए कुर्सी की व्यवस्था की गई और इसी के साथ अयोध्या के हनुमत संस्कृत महाविद्यालय के परिसर में नवनिर्मित यूको बैंक की शाखा के विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन यूको बैंक के प्रबंध निदेशक व सीईओ अश्विनी कुमार, अंचल प्रमुख सुश्री मिलन दुबे विशिष्ट अतिथि रहे श्री राम जन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपत राय हनुमत संस्कृत विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ महेश दास के द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया और इसके साथ ही अयोध्या में एटीएम बैंक का शुभारंभ व अयोध्या नगर कलेक्ट्रेट में भी यूको बैंक की शाखा का उद्घाटन किया गया है।

इस दौरान यूको बैंक के प्रबंधन निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी अश्विनी कुमार के द्वारा निरीक्षण किया गया यूको बैंक के प्रबंध निदेशक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अश्विनी कुमार का बयान यात्रियों की सुविधा के लिए राम लाल के क्षेत्र में यूको बैंक के द्वारा आज दो नवनिर्मित व राम मंदिर परिसर के पास बने एक एटीएम का उद्घाटन किया गया। वही यात्रियो की बैठने के यात्री विश्राम गृह में 300 चेयर की बैठने के लिए व्यवस्था की गई। डॉ महेश दास ने कहा कि यह हनुमान जी का बैंक है और हनुमानगढ़ी के ज्यादातर अकाउंट इसी में है।इस दौरान अंचल प्रमुख सुश्री मिलन दुबे, नीरज सचान ,विक्रांत त्यागी,मनोज सिंह, अशोक दुबे सहित तमाम बैंक के कर्मचारी मौजूद रहे।

आरक्षण भस्मासुर की तरह अपने लोगों को भस्म कर रहा है –स्वामी चैतन्य दास

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

अयोध्या। 2024 के लोकसभा चुनाव में आरक्षण का मद्दा जोर शोर से उठा हुआ है विपक्षी दल सत्ता दल पर आरोप लगा रहा है की दोबारा सत्ता में आने के बाद सत्ताधारी पार्टी बीजेपी के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आरक्षण खत्म कर देंगे वहीं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आरक्षण कोई भी समाप्त नहीं कर सकता यह बात अपने प्रत्येक भाषण में कह रहे है और मंडल कमीशन के लागू होने से लेकर अभी तक आरक्षण के मुद्दे को ओबीसी होते हुए भी स्वामी चौतन्य दास महाराज खुलकर विरोध कर रहे हैं कि आरक्षण भस्मासुर की तरह अपने ही लोगों को भस्म कर रहा है। अयोध्या के प्रसिद्ध पीठ हनुमान कुटी में प्रेस से मुखातिब होते हुए स्वामी चौतन्य दास महाराज ने कहा कि अब सही समय है जब आरक्षण को आर्थिक आधार पर देना चाहिए क्योंकि आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है 75 वर्ष हो गए हमें आजाद हुए लेकिन आज भी 70 प्रतिशत ओबीसी एसटी समाज को आरक्षण का लाभ नहीं मिला और आरक्षण से

अब उन्हीं को नुकसान हो रहा है और इसका एक सीधा सा रास्ता है कि आरक्षण को आर्थिक आधार पर कर दिया जाए इससे देश के सबसे गरीब नागरिक को सबसे पहले आरक्षण का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि आरक्षण समाज को बांटने का कार्य कर रहा है और अगर इसमें सुधार नहीं किया गया तो भारत की संस्कृति धीरे–धीरे समाप्त हो जाएगी। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में चरित्र निर्माण की आवश्यकता है सभी धर्म से कहटरता समाप्त करके एक साथ देश में नए चरित्र का निर्माण किया जाए जिससे समाज में फैल रही कुरीतियां समाप्त होगी वर्तमान समय में लोगों का चरित्र भ्रष्ट हो गया है जिसके कारण शोषण का शिकार बन रही है हमारी बटियां। उन्होंने कहा कि बचपन से ही मैं समझ में व्याप्त इन मुद्दों की लड़ाई लड़ रहा हूं और अब लड़ाई अंतिम मोड पर पहुंच गई है बहुत जल्द सभी मुद्दों को सुलझा लिया जाएगा और जब आरक्षण आर्थिक आधार पर हो जाएगा और हर व्यक्ति चरित्रवान हो जाएगा तब कोई अंबेडकर धर्म परिवर्तन नहीं करेगा। उन्होंने कहा कि मैं मध्य प्रदेश और राजस्थान के 400 गांवों में गौ माता की रक्षा के लिए जागरूकता अभियान चलाया है और सरकार से अपील करता हूं कि गौ माता को राष्ट्र माता का दर्जा दिया जाए साथ ही साथ चरित्र निर्माण करके माता बहनों को दुर्लभ जिहाद से बचाया जाए। उन्होंने कहा कि मैं इंदौर में गुरु महापर्व की तैयारी में लगा हुआ हूं जिसमें मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री सहित सभी लोग सम्मिलित होंगे श्री राम नाम जप होगा और वहीं से कश्मीर में गुरु महापर्व कुंभ की तैयारी चालू हो जाएगी। उन्होंने बताया कि इन सब मुद्दों के साथ हमारी लड़ाई कैलाश को वापस लाना भी है।

दो सड़क दुर्घटनाओं में तीन लोगों ने तोड़ दिया दम

संवाददाता–श्रावस्ती। गुरुवार रात जिले के दो अलग अलग स्थानों पर सड़क दुर्घटनाओं में एक युवक ने मौके पर दम तोड़ दिया। जबकि दो लोगों को अस्पताल पहुंचने पर मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने घटना की जांच पड़ताल करके शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

थाना गिलौला के ग्राम बेलवा खतीब निवासी शिवराम 28 वर्ष पुत्र मनीराम व ग्राम धोबी पुरवा विजयपुरव सिसांवा निवासी गंगाराम पासवान 30 वर्ष पुत्र अंबिका प्रसाद एक बाइक से ग्राम सोनरई थाना इकौना में बरही कार्यक्रम में शामिल होने गए थे। गुरुवार रात करीब 11 बजे बाईपास इकौना जनता धर्म कांटा के निकट गिलौला की ओर जाते समय बाइक में अज्ञात वाहन से पीछे से टक्कर मार दी। इससे दोनों लोग सड़क पर गिर कर गंभीररूप से घायल हो गए। सूचना पर इकौना प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार सिंह मौके पर पहुंचे और दोनों घायलों को सीएचसी इकौना पहुंचाया। जहां पर चिकित्सक ने शिवराम को मृत घोषित कर दिया। जबकि दूसरे घायल गंगाराम की हालत नाजुक देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद ट्रामा सेंटर बहराइच के लिए रेफर कर दिया। गंगाराम को ट्रामा सेंटर बहराइच पहुंचाया गया। लेकिन वहां चिकित्सक ने गंगाराम को भी मृत घोषित कर दिया। बताया जाता है कि दोनों चाचा भतीजे थे। मृतक शिवराम के पिता मनीराम ने बताया कि दोनों एक साथ बेंगलुरु में सात वर्ष से नौकरी करते थे। दो महीने पूर्व गांव आए थे। गुरुवार को अपने दोस्त के यहां बरही कार्यक्रम में शामिल होने ग्राम सोनरई थाना इकौना गए थे।

इसी तरह से हरदत्त नगर गिरंट थाना क्षेत्र के बदला चौराहा निवासी रहीम पुत्र बनिया उम्र 50 वर्ष गुरुवार रात खाना खाने के बाद सड़क पर टहलने निकला था। इसी बीच पुलिस चौकी बदला के पास एक मोटरसाइकिल सवार ने ठोकर मार दिया। इसके कारण गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजनों ने आनन–फानन में जिला अस्पताल बहराइच में भर्ती कराया। लेकिन इलाज के दौरान रहीम की मौत हो गई। लोगों ने बाइक को पुलिस के सुपुर्द कर दिया है।

काम पर जा रहे दिहाड़ी मजदूर को ट्रेलर ने रौंदा, मौत

संवाददाता–महराजगंज। बृजमनगंज थानाक्षेत्र में महुलानी लाला टोला गांव के सामने शुक्रवार की सुबह ट्रेलर ने साइकिल सवार दिहाड़ी मजदूर को रौंद दिया। इससे मजदूर की मौके पर मौत हो गई। शव ट्रेलर के पहिया के नीचे फंसा था। घटना के बाद चालक ट्रेलर छोड़ भाग गया। सूचना पर बृजमनगंज पुलिस मौके पर पहुंची। शव को ट्रेलर के नीचे से निकालने के प्रयास में जुट गई। दूसरे चालक को बुलाया गया। ट्रेलर में चाभी लगी थी। उसके सहारे ट्रेलर को स्टार्ट कर पहिया धीरे–धीरे आगे–पीछे कर शव को बाहर निकाल पुलिस पंचनामा के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेजी।

दिहाड़ी मजदूर राम उजागिर बृजमनगंज थानाक्षेत्र के महुलानी लाला टोला गांव का ही रहने वाला था। शुक्रवार की सुबह वह साइकिल से मजदूरी करने जा रहा था। गांव के बाहर निकलने पर ही उंपर की चपेट में आ गया। मजदूर का शव उंपर के ही नीचे फंस गया। हादसे की जानकारी मिलने ग्रामीण घटना स्थल पर उमड़ गए। परिजन भी मौके पर पहुंच रोने–बिलखने लगे। गांव के समीप मजदूर की हादसे में मौत से ग्रामीणों की भीड़ जमा होने की सूचना पर बृजमनगंज थाने के पुलिस कर्मी भी पहुंच शांति व्यवस्था बनाने के साथ ट्रेलर के पहिया के नीचे से मजदूर के शव को बाहर निकाल कब्जे में लिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बृजमनगंज थाना के प्रभारी निरीक्षक श्याम सुन्दर तिवारी ने बताया कि ट्रेलर को कब्जे में ले लिया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

संदिग्ध परिस्थितियों में बाग में लगी आग, जिंदा जली किशोरी

संवाददाता–बलरामपुर। शौच करने गई किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में बाग में आग लगने से झुलस कर जिंदा जल गई। घटना स्थानीय थाना क्षेत्र के मितवरिया कला गांव में शुक्रवार दोपहर 12 बजे हुई है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

मितवरिया निवासी दशरथ लाल ने बताया कि उनकी 16 वर्षीय बहन संजू पासवान को डायरिया हो गया था। वह बार–बार शौच करने जा रही थी। शुक्रवार दोपहर को गांव के दक्षिण शीशम के बाद में शौच करने गई थी। एक घंटे तक वापस नहीं लौटी तो उसकी तलाश शुरू की गई। कुछ लोगों ने बताया कि दिलीप पाठक के बाग में आग लगी हुई है। मौके पर जाकर देखा तो संजू का शव आग में झुलसा पड़ा था। बाग के चारों ओर कटीले तार लगे हैं। आग लगने पर संजू ने भागना चाहा पर तार के कारण वह बच नहीं पाई।

अधिक शिक्षण शुल्क वसूलने वाले संचालकों पर होगी कार्रवाई

संवाददाता–बलरामपुर। सीबीएसई व आईसीएसई बोर्ड स्कूलों के संचालक अभिभावकों से अधिक शुल्क वसूली कर रहे हैं। इस बात की लगातार शिकायत मिलने पर डीएम ने प्राइवेट स्कूलों के संचालकों के खिलाफ कड़ी नाराजगी व्यक्त की है। डीएम ने जल्द ही कड़ी कार्रवाई करने की बात कही है। डीएम अरविंद सिंह ने बताया कि अभिभावकों से प्राइवेट स्कूलों द्वारा अधिक शुल्क वसूली की शिकायत लगातार मिल रही है। शिक्षा माफिया से गठजोड़ करने वाले विभागीय अधिकारियों को दलाल घोषित करते हुए जिला बदर की कार्रवाई की जाएगी।

गर्मी में खेतों की जुताई करें, कम लागत में होगा अधिक उत्पादन

संवाददाता–श्रावस्ती। खेतों में गर्मी की जुताई करने से कम लागत में गुणवत्तायुक्त उत्पादन लिया जा सकता है। इसके साथ ही फसलों को नुकसान पहुंचाने वाले कीट भी नष्ट हो जाते हैं।

जिला कृषि अधिकारी अनिल प्रसाद मिश्र ने बताया कि रबी फसलों के कटाई के बाद खेत की गहरी जुताई खरीफ फसल के लिए अनेक प्रकार से लाभकारी है। गर्मी की जुताई मानसून आने से पहले मई जून में की जाती है। ग्रीष्मकालीन जुताई का मुख्य उद्देश्य मिट्टी की संरचना में सुधार करना होता है। इससे मृदा की जलधारण क्षमता बढ़ती है जो फसलों के लिए बहुत ही उपयोगी होती है। खेत की कठोर परत को तोड़कर मिट्टी को जड़ों के विकास के लिए अनुकूल बनाने के लिए ग्रीष्मकालीन जुताई लाभकारी है। खेत में उगे हुए खरपतवार व फसल अवशेष मिट्टी में दबकर सड़ जाते हैं और जैविक खाद में परिवर्तित हो जाते है। इससे मृदा में जीवांश की मात्रा बढ़ती है। गहरी जुताई के बाद मृदा के अन्दर छिपे हुए हानिकारक कीड़े, मकोड़े उनके अंडे, लार्वा, प्यूपा व खरपतवारों के बीज सूर्य की तेज किरणों के सीधे संपर्क में आने से नष्ट हो जाते हैं। इससे फसलों पर कीटनाशकों व खरपतवारनाशी रसायनों का कम उपयोग करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि गर्मी में गहरी जुताई के बाद मृदा में पाये जाने वाले हानिकारक जीवाणु, कवक, निमेटोड व अन्य हानिकारक सूक्ष्म जीव मर जाते हैं। मृदा में वायु संचार बढ़ जाता है जो लाभकारी सूक्ष्म जीवों के वृद्धि एवं विकास में सहायक होता है।

आखिर क्या बात है जो अमेठी से भाग खड़े हुए राहुल, लगता है हार का डर सता रहा -रवि किशन

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर के सांसद रवि किशन शुक्ल ने राहुल गांधी के अपनी परंपरागत सीट अमेठी से चुनाव न लड़कर रायबरेली से चुनाव लड़ने पर तंज कसा है। सांसद रवि किशन ने कहा लगता है राहुल गांधी को हार का डर सता रहा है। यह डर अमेठी से दोबारा हार का है। आखिर क्या बात है जो वो यहां से भाग खड़े हुए? क्या उन्हें खुद पर भरोसा नहीं है। सूत्रों का कहना है कि कल देर रात एक बैठक में राहुल गांधी ने अमेठी से चुनाव लड़ने से साफ इनकार कर दिया था। इसको लेकर भी भाजपा राहुल पर निशाना साध रही है।

बता दें कि राहुल गांधी ने अमेठी सीट छोड़कर कांग्रेस की परंपरागत सीट मानी जानी वाली रायबरेली लोकसभा सीट से नामांकन करने का फैसला किया। इस तरह से गांधी परिवार की तीसरी पीढ़ी का रायबरेली से राजनीतिक सफर शुरू होगा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को यूपी से चुनाव लड़ने के लिए पार्टी नेताओं को लंबे समय तक मान मन्नौवल करना पड़ा। सूत्रों का कहना है कि वह उत्तर प्रदेश से चुनाव लड़ने के इच्छुक नहीं थे। यही वजह है कि इन दोनों सीटों पर पार्टी के नेता भी कुछ भी कहने से बचते रहे। कोई बैठक में राहुल गांधी ने अमेठी से चुनाव लड़ने से साफ इनकार कर दिया। ऐसे में उन्हें विरासत का हवाला देकर रायबरेली के लिए मनाया गया। पार्टी नेताओं का मानना है कि विपरीत परिस्थितियों में भी रायबरेली की जनता ने कांग्रेस का हाथ नहीं छोड़ा था। अभी भी वहां पार्टी को लेकर उत्साह है। यह कांग्रेस के लिए प्रदेश की सबसे सुरक्षित सीट है। इस वजह से इस सीट को नहीं छोड़ा जा सकता है। इस पर राहुल ने हामी भरी।

एचआरपीजी कालेज में बनेगा अस्थाई वेयर हाउस

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले में लोक सभा चुनाव में मतदान कर्मियों को प्रशिक्षण देने के लिए एचआरपीजी कालेज में अस्थाई वेयर हाउस बनाया जाएगा। इसके लिए 101 सीयू, 101 बीयू तथा 101 वीवीपैट मशीनें एलाट की जाएंगी। जो मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के अध्यक्ष/मंत्री की उपस्थिति में वेयर हाउस से भेजी जाएंगी। यह जानकारी जिला निर्वाचन अधिकारी डीएम महेन्द्र सिंह तंवर ने दी। उन्होंने बताया कि लोकसभा चुनाव सकुशल सम्पन्न कराने के लिए हीरालाल रामनिवास स्नातकोत्तर महाविद्यालय खलीलाबाद में प्रथम प्रशिक्षण 06, 07, 08 एवं 09 मई को होगा। इसमें ईवीएम संचालन का प्रशिक्षण दिया जाएगा। इसके लिए एचआरपीजी कालेज के स्नातकोत्तर मनोविज्ञान व्याख्यान कक्ष संख्या 2 को अस्थाई वेयर हाउस बनाया जाएगा। उन्होंने बताया है कि जनपद में 1437 मतदेय स्थलों के सापेक्ष प्रशिक्षण कार्य के 07 प्रतिशत अर्थात 101 सीयू, 101 बीयू तथा 101 वीवीपैट ईएमएस पोर्टल पर दर्ज कर उसकी सूची समस्त मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों को उपलब्ध करा दिया गया है। 05 मई को समय 11 बजे से कलक्ट्रेट स्थित वेयरहाउस में उपस्थित हों। जिससे उक्त सूची के अनुसार मास्टर ट्रेनरों द्वारा पीठासीन अधिकारियों को प्रशिक्षण हेतु 90 सीयू, 90 बीयू तथा 90 वीवीपैट अस्थाई वेयर हाउस में भेजी जा सके। उक्त के अतिरिक्त 11 सीयू, 11 बीयू तथा 11 वीवीपैट कलेक्ट्रेट वेयर हाउस में सुरक्षित रखी गई है।

रामलला के दर्शन कर भावुक हुए पाकिस्तानी श्रद्धालु, बोले- प्राण प्रतिष्ठा के दिन आंखों से गिरे आंसू

संवाददाता–अयोध्या। पाकिस्तान के 33 शहरों के 223 श्रद्धालुओं ने अयोध्या पहुंचकर रामलला के दरबार में हाजिरी लगाई। श्रद्धालुओं का यह जत्था रायपुर पहुंचा। यहां से अमरावती व प्रयागराज होते हुए श्रद्धालु अयोध्या पहुंचे हैं। इस यात्रा का अंतिम पड़ाव हरिद्वार होगा। रामलला के दरबार में जब पाक श्रद्धालु पहुंचे तो अधिकांश भाव विभोर हो उठे। दर्शन के बाद श्रद्धालुओं ने बताया कि रामलला से प्रार्थना की है कि भारत व पाकिस्तान के रिश्ते जल्द से जल्द बेहतर हों। श्रद्धालु दो अलग–अलग जत्थों में पहुंचे और शुक्रवार की सुबह सरयू स्नान कर रामलला सहित विभिन्न मंदिरों में दर्शन–पूजन किया। अयोध्या की धार्मिकता से सभी श्रद्धालु बहुत ही प्रभावित नजर आए। जत्थे का नेतृत्व कर रहे सदाणी दरबार के मुखिया साईं डॉ. युधिष्ठिर लाल ने बताया कि गुरु परंपरा के भक्त हर वर्ष यहां आते हैं। अयोध्या पहुंचे पाक श्रद्धालुओं का सिंधी समाज की ओर से स्वागत किया गया। विहिप नेता गजेंद्र सिंह के निर्देशन में सभी श्रद्धालुओं को रामलला के दर्शन कराए गए। राममंदिर ट्रस्ट की ओर से सभी श्रद्धालुओं को प्रसाद देकर सम्मानित किया गया। पाकिस्तानी पत्रकार ज्योति श्री महेश्वरी ने बताया कि अयोध्या में जब प्राण प्रतिष्ठा हो रही थी तो हमारे आंखों से आंसू गिर रहे थे। हम सभी इस क्षण के साक्षी बनना चाहते थे, लेकिन सीमाओं के बंधन के चलते नहीं आ सके। श्रद्धालुओं ने कहा कि हम भारत सरकार के शुक्रगुजार हैं, हमें अयोध्या आने का मौका मिला। सिंध प्रांत निवासी धनराज ने बताया कि वे 35 सालों से बेकरी चलाते हैं। पाकिस्तान में लोगों को धर्म–संस्कृति से जोड़ने की जरूरत है।

विश्व कल्याण भाव से मनाया गया विश्व यज्ञ दिवस–ओम प्रकाश आर्य

–भारतीय बस्ती संवाददाता– बस्ती। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर किसी भी दिवस के मनाये जाने का मतलब है की पूरे विश्व के लिए उस दिवस का विशेष महत्व है और वह दिवस वहाँ की संस्कृति की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। इसी उद्देश्य को लेकर सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा दिल्ली के आह्वान पर पूरे विश्व में आर्य समाज द्वारा यज्ञ कराते हुए उसका महत्व और अनिवार्यता बताया गया। देश विदेश में फैले वैदिक धर्म के अनुयायियों के माध्यम से पूरे विश्व में आज 'घर–घर यज्ञ हर–घर यज्ञ' के उद्घोष के साथ पारिवारिक यज्ञ करने का आह्वान किया गया था जिसके अनुपालन में लोगों ने यज्ञ कर उसे अपनाकर सुखी रहने का संदेश दिया।

इसी कड़ी में बस्ती जिले में सैकड़ों परिवारों ने सपरिवार यज्ञ कर लोगों को रोगमुक्त जीवन जीने का संदेश दिया। ओम प्रकाश आर्य प्रधान जिला आर्य उप प्रतिनिधि सभा बस्ती ने बताया कि यूँ तो सभी मत–पन्थों में अग्नि और यज्ञ किसी ना किसी रूप मे प्रतिष्ठित है पर सनातन धर्म में उसका शुद्धतम और परिष्कृत रूप हमें दिखाई देता है। गिरिजाशंकर दुबे प्रधान आर्य समाज लालगंज बस्ती ने कहा कि यज्ञ से हमारे सभी सोलह संस्कार प्रारम्भ होते हैं। इसके अलावा पर्वों को भी यज्ञ के माध्यम से ही मनाया जाता है। इसी विधा को विश्व में फैलाने के लिए 'विश्व यज्ञ दिवस' मनाया जाना हितकर है। इससे जहाँ एक ओर लोग रोगों से बचेंगे वहीं आपसी सौहार्द भी बढ़ेगा। आज बस्ती जिले के चारों तहसीलों में लोगों ने अपने घरों गावों में यज्ञ किया है। बस्ती में अलख निरंजन आर्य, ओम प्रकाश आर्य, गरुण ध्वज पाण्डेय, नितीश कुमार, शिव श्याम, श्याम कुमार, वेद कुमार आर्य, मनीष आर्य, राधेश्याम आर्य, हरैया में सूर्य प्रताप सिंह, राजकुमार सिंह, आनन्द स्वरूप सिंह, जमुना पाण्डेय, हनुमान आर्य, शिवपूजन आर्य, शेष कुमार उपाध्याय, पवन कुमार, सुभाष चन्द्र आर्य,नवल किशोर चौधरी, मुरलीधर भारती, रश्मि आर्य, आनन्द स्वरूप, कंचनलता आर्य, रजनी आर्य, कौशल सिंह, प्रमोद श्रीवास्तव, प्रवीण सिंह, मनोज गुप्ता, पुष्पा पाण्डेय, शिवांग पाण्डेय, उपेन्द्र आर्य, भानपुर में सुभाष सोनी, घनश्याम सिंह

सिद्धार्थनगर में हरिपति पाण्डेय और संतकबीर नगर में अशोक आर्य और ओम प्रकाश आर्य के नेतृत्व में यज्ञ का आयोजन किया गया।

नम हवाओं ने और नीचे गिराया रात का पारा

संवाददाता–गोरखपुर। पूर्वी यूपी में प्रचंड गर्मी से राहत मिलती नजर आ रही है। दिन के साथ रात का पारा भी नीचे लुढ़क रहा है। पहाड़ों से आ रही नम हवाओं के कारण पिछले 48 घंटे में रात के पारे में और गिरावट हुई है। शुक्रवार को न्यूनतम तापमान सामान्य के करीब पहुंच गया। शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 23.3 डिग्री सेल्सियस रहा। यह सामान्य न्यूनतम तापमान से मामूली अधिक है। इससे पहले गुरुवार को न्यूनतम तापमान 24.8 डिग्री सेल्सियस था। दिन के तापमान में भी लगातार गिरावट के संकेत मिल रहे हैं। पिछले 20 दिन से प्रचंड गर्मी रहने के बाद गुरुवार को दिन का तापमान सामान्य से नीचे गया था। शुक्रवार को भी दिन का तापमान सामान्य से नीचे रहेगा। बादल के टुकड़े आसमान में मौजूद रहेंगे।

महायोगी गोरखनाथ विवि को मिला मेदांता हॉस्पिटल का साथ, मरीजों को अब नहीं लगानी पड़ेगी लखनऊ की दौड़

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर समेत आसपास के जिलों के लोगों को चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण सुविधा मिलने जा रही है। कई मामलों में लखनऊ की दौड़ लगाने वाले मरीजों को मेदांता अस्पताल के विशेषज्ञों की सेवा यहीं उपलब्ध कराने के लिए इस संस्थान और महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्यधाम बालापार ने साझा पहल की है। इसके परिणामस्वरूप जल्द ही मेदांता के विशेषज्ञ चिकित्सकों की टेली आईसीयू व अन्य कई सेवाएं महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय परिसर के महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय और गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय गोरखनाथ में मिलने लगेंगी। मेदांता अस्पताल लखनऊ और महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय जल्द ही एमओयू करके इस पहल को अमलीजामा पहना देंगे। एमओयू के पूर्व मेदांता आईसीयू ग्रुप के डायरेक्टर एंड हेड डॉ. दिलीप दूबे और मेदांता इमरजेंसी सर्विसेज के एसोसिएट डायरेक्टर लोकेंद्र गुप्ता ने बालापार स्थित महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालयचिकित्सालय का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने चिकित्सालय का भ्रमण कर उपलब्ध सेवाओं और व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

इसके बाद मेदांता से आए वरिष्ठ प्रतिनिधियों ने विश्वविद्यालय के कुलपति मेजर जनरल डॉ. अतुल वाजपेयी, गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय के डायरेक्टर ब्रिगेडियर डीसी ठाकुर, विश्वविद्यालय परिसर स्थित चिकित्सालय के डायरेक्टर कर्नल राजेश बहल के साथ बैठक की। यह तय किया गया कि महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय बालापार, गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय गोरखनाथ और महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय मरीजों को 24/7 सुपरस्पेशलिटी आईसीयू सेवाएं प्रदान करने के लिए अत्याधुनिक मेदांता टेली–आईसीयू की सेवाओं से खुद को जोड़ेंगे। यहां के दोनों चिकित्सालयों में मरीजों को मेदांता के विशेषज्ञ चिकित्सक ऑनलाइन देखेंगे। इसके लिए कई सुपरस्पेशलिटी सेवाओं को चयनित किया जाएगा।

दोनों संस्थानों के बीच आईसीयू डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ के प्रशिक्षण को लेकर भी चर्चा हुई। मेदांता यहां पर वेंटिलेटर मशीन और सीपीआर का भी अत्याधुनिक प्रशिक्षण उपलब्ध कराएगा। एक अहम चर्चा किडनी के रोगियों की डायलिसिस और किडनी प्रत्यारोपण को लेकर भी हुई। इसके लिए मेदांता की किडनी ट्रांसप्लांट टीम यहां आकर ओपीडी सेवा उपलब्ध कराएगी। इस अवसर पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय परिसर स्थित चिकित्सालय के आईसीयू प्रभारी डॉ. प्रदीप श्रीवास्तव और गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय के आईसीयू प्रभारी डॉ. राजीव श्रीवास्तव भी मौजूद रहे। मेदांता अस्पताल लखनऊ की टीम के दौरे के बाद गुरुवार शाम को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. प्रदीप कुमार राव की मेदांता समूह के संस्थापक डॉ. नरेश त्रेहन से दूरभाष पर वार्ता भी हुई। डॉ. त्रेहन ने महायोगी गोरखनाथ चिकित्सालय बालापार एवं गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय गोरखनाथ में मेदांता की तरफ से टेली आईसीयू और अन्य सेवाओं को लेकर उत्सुकता व्यक्त की। विश्वविद्यालय की कुलसचिव डॉ. राव ने बताया कि जल्द ही चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में एक नया अध्याय शुरू करने के लिए महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय और मेदांता अस्पताल लखनऊ के बीच एमओयू (समझौता करार) किया जाएगा।

ट्रेलर की चपेट में आने से युवक की मौत

संवाददाता–गोरखपुर। कोतवाली क्षेत्र के रामजानकी राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित गायघाट गांव के पास ट्रेलर की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। कोतवाल अश्वनी पांडेय ने बताया कि गायघाट गांव निवासी 42 वर्षीय कमलेश प्रजापति शुक्रवार की सुबह साढ़े दस बजे साइकिल से गायघाट से सिक्टौर की तरफ कुछ काम से जा रहे थे। इस बीच बड़हलगंज की तरफ से आ रही ट्रेलर की चपेट में आ गये। उनके सिर पर गंभीर चोट लगने के कारण मौके पर ही इनकी मृत्यु हो गई। ट्रेलर ड्राइवर मौके पर ट्रेलर छोड़ कर फरार हो गया। ट्रेलर को पुलिस ने अपने कब्जे में ले लिया है।

शाहपुर पुलिस नहीं कर दर्ज कर रही मुकदमा, एसपी से मिला प्रतिनिधिमंडल

संवाददाता–गोरखपुर। 46वीं बटालियन एनसीसी में तैनात चालक महेंद्र प्रताप की एफआईआर शाहपुर पुलिस पुलिस नहीं दर्ज कर रही है। इस प्रकरण में राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के प्रतिनिधिमंडल ने एसपी नार्थ से मिलकर कार्रवाई की अपील की। परिषद के अध्यक्ष रूपेश कुमार श्रीवास्तव की अगुवाई में महामंत्री मदन मुरारी शुक्ल, अशोक पांडेय, अनूप कुमार महेन्द्र प्रताप व उनके पुत्र अंशुल ने मामले की जानकारी एसपी को दी।

इसके पूर्व प्रतिनिधिमंडल की ओर से एसपी सिटी से मिलकर भी प्रार्थना पत्र दिया गया था। लेकिन 20 दिन बाद भी केस नहीं दर्ज किया गया। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने एसपी नार्थ को बताया कि महेंद्र प्रताप जंगल मातादीन, शाहपुर में मकान बनवा रहे हैं। 15 अप्रैल की शाम मनबढ़ों ने उनका काम रोक दिया। उनके बेटे और दो बेटियों सहित पूरे परिवार पर हमला करके घायल कर दिया। सूचना देने पर शाहपुर ने कार्रवाई नहीं की। पदाधिकारियों ने बताया कि यदि कार्रवाई नहीं हुई तो डीआईजी और एडीजी को पत्रक दिया जाएगा।

बसपा समेत तीन प्रत्याशियों ने किया नामांकन

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर लोकसभा सीट पर नामांकन के पांचवे दिन शुक्रवार को बसपा प्रत्याशी समेत तीन दावेदारों ने नामांकन किया। अब तक कुल पांच नामांकन पत्र दाखिल हो चुके हैं। इसके अलावा पांच दावेदारों ने नामांकन पत्र की खरीद की है।

जिला निर्वाचन अधिकारी महेन्द्र सिंह तंवर ने बताया कि नामांकन प्रक्रिया के के पांचवे दिन बसपा प्रत्याशी नदीम अशरफ ने कलक्ट्रेट पहुंच कर पर्चा दाखिल किया। इसके अलावा शोषित समाज दल के लौटन प्रसाद व निर्दल रविन्द्र यादव ने पर्चे दाखिल किए हैं। इससे पहले पीस पार्टी प्रत्याशी व एक निर्दल नामांकन कर चुके हैं। अब तक कुल पांच नामांकन पत्र दाखिल हुए हैं। वहीं शुक्रवार को पांच लोगों ने आठ सेट नामांकन पत्रों की खरीद की है। इनमें नीलम चतुर्वेदी, अब्दुल अजीम, इफ्तेखार अहमद, डा. विजय तिवारी व मो. इरफान ने नामांकन पत्र खरीदे हैं।

उन्होंने बताया कि अब तक 42 लोगों ने नामांकन पत्र खरीदे हैं। अब नामांकन के लिए 4 मई और 6 मई का दिन शेष है। इन्हीं दो दिन में शेष प्रत्याशियों को नामांकन पत्र दाखिल करना है।

नाव में नहीं भेजे वाहन तो स्वामियों पर दर्ज होगा मुकदमा

संवाददाता–संतकबीरनगर। संतकबीरनगर जिले में चुनाव के लिए अधिग्रहीत किए गए हल्के और बड़े वाहनों को 22 मई को निर्धारित स्थल पर पहुंचने के लिए आदेश दिया गया है। यदि निर्धारित तिथि पर वाहन नहीं पहुंचे तो संबंधित वाहन स्वामियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराया जाएगा। एआरटीओ प्रियवंदा सिंह ने बताया कि 25 मई को जिले में चुनाव होगा। चुनाव में 5,000 वाहनों के अधिग्रहण करने का आदेश डीएम ने जारी किया है। इसमें 4089 हल्के वाहन, 950 बसें और ट्रक शामिल है। सभी वाहनों को हर हाल में 22 मई को उपलब्ध कराने का आदेश दिए गए है। हल्के व छोटे वाहन पुलिस लाइंस परिसर में पहुंचेंगे। जबकि बड़े वाहन शुगर मिल के ग्राउंड में खड़े कराए जाएंगे। अगर कोई वाहन स्वामी 22 मई को अपना वाहन नहीं भेजता है तो उसके खिलाफ प्रशासन की ओर से एफआईआर दर्ज कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि सभी वाहन स्वामियों को चुनाव के दौरान सेवाएं देने के लिए भुगतान भी किया जाएगा।

महिला की हत्या के आरोपी चालक की जमानत अर्जी जिला जज ने किया निरस्त

संवाददाता–संतकबीरनगर। जिले में शांति देवी हत्याकांड के आरोपी चालक का जमानत प्रार्थना पत्र जनपद एवं सत्र न्यायाधीश अनिल कुमार वर्मा प्रथम की कोर्ट ने निरस्त कर दिया। हत्यारोपी चालक पुरुषोत्तम तिवारी पर पांच अन्य आरोपियों के साथ साजिश करके मृतक शांति देवी की हत्या करके शव को छिपा देने का आरोप लगाया गया है। जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी विशाल श्रीवास्तव ने बताया प्रकरण में मृतका की बहन माया पांडेय पत्नी मार्कण्डेय पांडेय ग्राम भीटी खोरिया थाना खजनी जिला गोरखपुर ने गुमशुदगी का अभियोग पंजीकृत कराया था। वादिनी का आरोप था कि उनकी बहन शांति देवी पत्नी रमेश राय ग्राम सांखी थाना महुली के पति की मृत्यु 40 वर्ष पूर्व हो चुकी है। 7 मार्च 2024 को बहन शांति देवी मुकदमे की पैरवी के लिए बस्ती जनपद के न्यायालय में गईं थीं। दिनांक 9 मार्च तक घर वापस नहीं आईं। पता करने पर ज्ञात हुआ कि 7 मार्च से ही उनकी बहन का मोबाइल बंद है। 9 मार्च को महुली थाने में अपनी बहन की गुमशुदगी की रिपोर्ट पंजीकृत कराया। 11 मार्च को पता चला कि सहजनवां थाना क्षेत्र के सुरगहना बांध पर एक महिला का शव मिला है। शव को पहचान के लिए गोरखपुर मेडिकल कॉलेज में रखा गया है। वादिनी एवं अन्य परिवार वाले गोरखपुर मेडिकल कॉलेज जाकर बहन के शव का पहचान कर अंतिम संस्कार कर दिया। मामले में 15 मार्च को थाना महुली में पौहारी शरण राय पुत्र परमात्मा राय, विकास व विनय राय पुत्रगण सुभाष चन्द्र राय निवासी ग्राम डुमरिया थाना महुली तथा एक अन्य समेत चार के विरुद्ध साजिश के तहत हत्या करके शव छिपाने का अभियोग पंजीकृत किया गया। विवेचना के दौरान पुरुषोत्तम तिवारी पुत्र चक्रधर तिवारी ग्राम झकहीचक बेलडुहा और सूर्यदेव राय पुत्र रामपति राय ग्राम बैड़वया थाना महुली का नाम प्रकाश में आया। इन दोनों आरोपियों को पुलिस ने 16 मार्च को गिरफ्तार किया। आरोपी पुरुषोत्तम तिवारी के जमानत प्रार्थना पत्र का जिला शासकीय अधिवक्ता फौजदारी विशाल श्रीवास्तव ने विरोध किया। सुनवाई के पश्चात जनपद एवं सत्र न्यायाधीश अनिल कुमार वर्मा प्रथम की कोर्ट ने आरोपी पुरुषोत्तम तिवारी की जमानत प्रार्थना पत्र निरस्त कर दिया।

अदालती नोटिस

इश्तहार मजरिया अदालत– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

प्रकीर्णवाद सं0 448/2023

श्रीमती इसररूननिशा–सायलान

1. श्रीमती इसराररूननिशा पत्नी स्व0 मुमताज अली 2. मुहम्मद इब्राहीम पुत्र स्व0 मुमताज अली निवासीगण ग्राम श्रीपालपुर तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती

तारीख पेशी 15–05–2024

प्रार्थना पत्र अन्तर्गत धारा–372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम–1925

दरख्वास्त मुसम्मा वास्ते हुसूल सर्टीफिकेट वसूल कर्जा व विकालात हाय दरख्वास्त मुसम्मा मुतवफ्फा अपने बमूजिब एक्ट 7 सन 1889 ई0 वकैद

हरगाह मुसम्मा ने दरख्वास्त हुसूल सर्टीफिकेट गुजरानी है और तारीख माह सन ई0 वास्ते समाअत दरख्वास्त के मुकर्रर हुई है। लिहाजा यह इश्तिहार जारी किया जाता है कि किसी को निस्बत के उज हो या असालतन या वकालतन वक्त 10 बजे सुबह अदालत सिविल जज (जू0डि0) बस्ती बतारीख पेशी 15–05–2024 मुकर्रर हाजिर होकर उज्र अपना पेश करें। दरसूरत इनकजाय तारीख मजकूर के फिर उज्र किसी का सुना न जायेगा और हुक्म मुनासिब निस्बत दरख्वास्त मजकूर के सादिर होगा।

अलमरकूम माह सन 20 ई0।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुदाअलेह मुतवफ्फा (आर्डर 22, कायदा 4)

न्यायालय–श्रीमान द्वादश अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

प्रकीर्णवाद सं0 87/2022

ग्राम पंचायत बेलहरा

बनाम

संतबहादुर सिंह

1. उदय प्रताप सिंह उम्र 45 वर्ष 2. चन्द्रप्रताप सिंह उम्र 42 वर्ष 3. रवि प्रताप सिंह उम्र 37 वर्ष 4. शशि प्रताप सिंह उम्र 29 वर्ष पुत्रगण संतबहादुर सिंह 5. कमला देवी उम्र 68 वर्ष पत्नी संतबहादुर सिंह साकिन बेलहरा तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती

तारीख पेशी 03–07–2024

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 03 माह 07 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब (आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

मूलवाद सं0 159/2022

अदालत–श्रीमान सिविल जज (सी0डि0)/एफ0टी0सी0 बस्ती जिला–बस्ती

ठाकुर प्रसाद

बनाम

तिलकराम आदि

1. तिलकराम आयु लगभग 72 वर्ष 2. सियाराम आयु लगभग 68 वर्ष 3. सत्यराम आयु लगभग 64 वर्ष पुत्रगण असई निवासीगण ग्राम बरडाड़ तप्पा गौर परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 29–05–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 29 माह 05 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हो पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब (आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

मूलवाद सं0 1039/2022

अदालत–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती

राजेन्द्र

बनाम

हरीलाल आदि

1. हरीलाल पुत्र स्व0 श्रीराम ग्राम मझौआमीर तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरव तहसील बस्ती वर्तमान तहसील रूधौली जिला–बस्ती

–प्रतिवादी प्रथम वर्ग

2. दुलारे 3. राधेश्याम पुत्रगण स्व0 रामदेव 4. लक्ष्मी पुत्र रामसमुझ 5. शिवशंकर 6. कृपाशंकर पुत्रगण स्व0 भवानी प्रसाद ग्राम मझौआमीर तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरव तहसील बस्ती वर्तमान तहसील रूधौली जिला–बस्ती

–प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 24–05–2024

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 24 माह 05 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हो पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह

संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्मुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।

मो09450567450 9336715406,

ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com bhartiyabasti@gmail.com